तापमान
अधिकतम 35 .0 डिग्री
न्यूनतम 22 .3 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 20 जुलाई 2025

12 राजपुतान में खत्म होगी पीने के पानी की समस्या

12 छात्रों ने मचाया धमाल, गीतों पर नृत्य कर दिखाई प्रतिभा

खबर संक्षेप

पाक जाने वाले श्रद्धालुओं से 8 तक मांगे आवेदन

अंबाला। नगराधीश अभिषेक गर्ग ने बताया कि श्री गुरू नानक देव की जयंती पर पाकिस्तान जाने के इच्छुक श्रद्धालु 8 अगस्त 2025 तक उपायुक्त कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष श्री गुरू नानक देव की जयंती पर श्रद्धालू पाकिस्तान जाते हैं। आवेदन करने वाले श्रद्धालूओं के लिए गृह मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। इसलिए जो श्रद्धालू इस अवसर पर पाकिस्तान जाने के इच्छुक हैं वे 8 अगस्त 2025 तक उपायुक्त कार्यालय में अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं। इसके पश्चात कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जुआ खेलते 21 लोगों को राशि समेत किया काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने सूचना के आधार पर रेड करके 21 आरोपियों को जुआ खेलते काबू कर उनसे 44,300/- रूपये जब्त किए हैं। पुलिस दल को सूचना मिली थी कि काफी जुआरी एक साथ इक्टठा होकर पुराना बकरा मंडी काला पुल के पास जुआ खेल रहे है। रेड के दौरान पुलिस ने 21 आरोपियों को काबू उनके खिलाफ केस दर्ज किया है।

जमीन खरीद-फरोख्त में ठगी का आरोपी पकड़ा

अंबाला। थाना अंबाला सदर में दर्ज जमीन खरीद-फरोख्त की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। मामले में संलिप्त अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब फतेहगढ़ साहिब के सुरिंद्र सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी दर्शन सिंह व अन्य ने उसके साथ जमीन बेचने का इकरारनामा करके करीब 47 लाख 65 हजार रूपये की एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी की है। आरोपी ने उसी जमीन को किसी अन्य को बेचने के लिए भी ब्याना लिया हुआ था।

ग्रिल से टकराई पिकअप हादसे में चालक की मौत

समालखा। समालखा में करनाल से दिल्ली जा रही पिकअप गाड़ी, गांव पट्टीकल्याणा के पास जीटी रोड पर ट्रैफिक बूथ के सामने लगी ग्रिल से टकरा गई। हादसे में 35 वर्षीय संतोष कुमार निवासी त्रिलोकपुरी, दिल्ली की मौत हो गई। थाना समालखा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद संतोष का शव उसके परिजनों को सौंप कर इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

फायरिंग करने के चार आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने थाना किला क्षेत्र की चावला कॉलोनी में फायरिंग करने के चार आरोपियों हिसार जिले के गांव बांस आजम शाहपुर निवासी मनीष, गांव गुराना निवासी अशोक उर्फ काला, खानपुर निवासी सुमित व गांव खेदड़ निवासी अमन को सीआईए वन पुलिस ने दो देसी पिस्तौल व 12 जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है।

25 को रिलीज होगी थ्रिलर फिल्म 'हां मैं पागल हां'

चंडीगढ़। फिल्म 'हां मैं पागल हां' का प्रीमियर केबल वन पर 25 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म 'केबल वन' पर होगा। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म भारत के सबसे तेजी से बढ़ते प्लेटफॉर्म्स में से एक है और 11 भाषाओं पंजाबी, हिंदी, इंग्लिश, अरबी, चीनी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, रशियन, फ्रेंच और स्पेनिश में कंटेंट स्ट्रीम करता है, ताकि पंजाब की कहानियाँ पूरी दुनिया तक पहुँच सकें। फिल्म 'हां मैं पागल हां' का निर्देशन अमरप्रीत जीएस छाबड़ा ने किया है और सिनेमैटोग्राफी की खूबसूरती को सुनीता राडिया ने कैमरे में कैद किया है। यह फिल्म सुमीत सिंह द्वारा सागा स्टूडियोज के बैनर तले निर्मित है।कहानी एक भयावह नए साल की रात से शुरू होती है, जहाँ 13 साल का मंटो एक भयानक सामूहिक हत्याकांड का आरोपी है। केवल एक और व्यक्ति, राज, उस रात बचता है, जो तेरह साल बाद सच का सामना करने और असलियत जानने लौटता है। जैसे-जैसे राज उस रात की परतें खोलता है, मंटो के अतीत और मानसिक स्थिति की गहराई में उतरता है, एक के बाद एक चौंकाने वाले रहस्य और विश्वासघात सामने आते हैं, जहाँ सच्चाई और पागलपन की लकीर धुंधली होने लगती है। मुख्य भूमिका में हैं हिमांशी खुराना, जिनके साथ नजर आएँगे एक दमदार कलाकारों की टोली: अभिशांत राणा, प्रत्याक्ष पंवार, हरजीत वालिया, अभियांशु वोहरा, स्वतंत्र भारत, अजय जेठी, भारती दत्त, आर्यन आजाद, कुदरत पाल सिंह, कृष्ण टंडन, अतुल लंगाया, फरहाना भट्ट, मन्नत शर्मा, तन्नू भारद्वाज, प्रीत ग्रेवाल, और जैस्मीन मीनू जिनके अभिनय से कहानी और भी जीवंत हो उठती है। तैयार हो जाइए एक ऐसी कहानी के लिए जहाँ पागलपन और रहस्य आपस में टकराते हैं।

पत्नी को तीन तलाक बोलकर घर से निकाला

यमुनानगर। गांव नाहरपुर में दहेज की मांग पूरी न होने पर पति ने तीन तलाक बोलकर अपनी पत्नी को घर से निकाल दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गांव नाहरपुर निवासी सन्ना ने जठलाना पुलिस को बताया कि उसका निकाह आकिल के साथ हुआ था। निकाह के दौरान दिए गए दहेज से उसका पति आकिल खुश नहीं था। निकाह के बाद से आरोपी उसे अधिक दहेज लेकर आने की मांग करने लगा। उसने इस बारे अपने मायके वालों को बताया। मायके वालों ने उसके पति की मांग को पूरा किया मगर आरोपी फिर से अधिक दहेज की मांग करने लगता। सन्ना ने बताया कि गत 29 अप्रैल को आरोपी ने उसे तीन तलाक बोलकर घर से निकाल दिया।

प्रदेश के सभी डाकघरों में मात्र दस रुपये में उपलब्ध होगा लिफाफा

राखी भेजने के लिए डाक विभाग ने तैयार किया वाटर प्रूफ लिफाफा

लिफाफे को खरीदने में बहनें दिखा रही हैं दिलचस्पी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में डाक विभाग की ओर से एक खूबसूरत लिफाफा तैयार किया गया है।

- टैंपर प्रूफ पैकिंग होने से लिफाफे के साथ छेड़छाड़ भी नहीं की जा सकती है

वाटरप्रूफ इस लिफाफे से कोई छेड़छाड़ भी नहीं कर सकता।

अपने भाई को राखी भेजने के लिए कोई भी बहन इस लिफाफे का इस्तेमाल कर सकती है। हर डाकघर में यह लिफाफा बहनों के लिए महज दस रुपये में उपलब्ध होगा।

अंबाला। डाक विभाग की ओर से राखी के लिए तैयार वाटरप्रूफ लिफाफा।

लिफाफे की मांग बढ़ी

बिक्री के लिए उपलब्ध इस लिफाफे की पहले दिन से ही डिमांड बढ़ गई है। बहनें इस खूबसूरत लिफाफे के जरिए अपने भाईयों तक राखी पहुंचाने में दिलचस्पी दिखा रही हैं। हरियाणा सर्कल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल संजय सिंह ने बताया कि डाक विभाग द्वारा राखी पर्व पर ग्राहकों के लिए राखी लिफाफा तैयार किया गया है। यह मात्र 10 रूपए में प्रदेश के सभी विभागीय डाकघरों में बिक्री के लिए उपलब्ध है। भारतीय डाक विभाग सदैव जन सेवा की भावना के साथ कार्य करता आ रहा है। आम जनता को सुलभ, सुरक्षित व विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में हरियाणा सर्कल द्वारा रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर एक विशेष राखी लिफाफा जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि यह लिफाफा राखी पर्व को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। लिफाफा बहनों की भावनाओं को उनके भाईयों तक सुरक्षित, शीघ्र और विश्वसनीय रूप में पहुंचाने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस सुविधा का लाभ उठाएं और रक्षाबंधन के इस पावन पर्व को और यादगार बनाएं। लिफाफे के लिए नजदीकी विभागीय डाकघर से संपर्क किया जा सकता है।

टैंपर प्रूफ पैंकिग

हरियाणा सर्कल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल संजय सिंह ने यह भी बताया कि इस लिफाफे की विशेषता यह है कि यह हल्का है और डाक शुल्क की दृष्टि से किफायती और आसानी से भेजा जा सकता है। यह लिफाफा लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त है। यह पानी में गीला न हो इसलिए इसे वाटर प्रूफ बनाया गया है। यह लिफाफा टैंपर प्रूफ पैकिंग है। इसी वजह से इससे छेडछाड़ भी नहीं की जा सकती है।

बिजली निगम ने 14.51 लाख के बजाय भेजा 1.45 करोड़ का बिल

- बिजली चोरी के मामले में कोर्ट से केस हारने के बाद निगम ने परिवार को भेजा गलत बिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

बिजली निगम की लापरवाही का खामियाजा करनाल के एक परिवार को भुगतना पड़ रहा है। वर्ष 2014 के बिजली चोरी के पुराने मामले में कोर्ट से केस हारने के बाद निगम ने परिवार को 14.51 लाख रुपये जमा कराने का आदेश भेजा, लेकिन सिस्टम की गलती से यह रकम बढ़कर 1.45 करोड़ रुपये हो गई। नोटिस मिलने के बाद परिवार पूरी तरह टूट गया है।

परिवार की बेटी यूपीएससी की तैयारी कर रही थी, लेकिन पिछले डेढ़ साल से बिजली कटी होने के कारण उसकी पढ़ाई बंद है। परिजनों का कहना है कि जमीन कुर्की की नोटिस के दिन ही परिवार के मुखिया को हार्ट अटैक आ गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब 19 जुलाई को पूरा परिवार बिजली मंत्री अनिल विज से न्याय की गुहार लगाने पहुंच रहा है। बिजली विभाग के एसडीओ ने बताया कि 2014 में यह परिवार बिजली चोरी करते पकड़ा गया था और बाद में कोर्ट में मामला चला। कोर्ट में केस हारने के बाद विभाग ने बिल भेजा, लेकिन टेक्निकल गलती के चलते 14.51 लाख की जगह 1.45 करोड़ का बिल दिखा दिया गया। अब इसे ठीक किया जा रहा है।

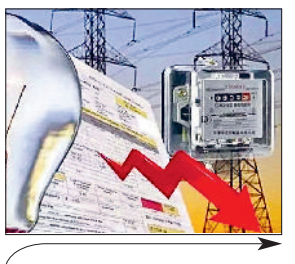

गलती का विवरण

वास्तविक बकाया: 14.51 लाख रुपये
गलती से भेजा बिल: 1.45 करोड़
वजह : बिल सिस्टम में एक डिजिट अधिक जुड़ गया
स्थिति: बिजली कटी, यूपीएससी की तैयारी रुकी, रोजगार बंद
परिवार का आरोप : 2014 में बिल भरने के बाद केस स्टे था, अब अचानक कुर्की और भारी बिल।

गन पॉइंट पर लूट की तैयारी, दो गिरफ्तार

- सीआईए-1 करनाल की टीम की कार्रवाई, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला पुलिस की सीआईए-1 टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गन पॉइंट पर लूट की साजिश रचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से पहले तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि अब दो और आरोपियों को दबोच कर उनके कब्जे से एक पिस्टल भी बरामद की गई है।

इस कार्रवाई का नेतृत्व सहायक उप निरीक्षक सतीश कुमार ने किया। पुलिस ने जानकारी दी कि हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सागर पुत्र वीरेंद्र निवासी ताऊ देवीलाल नगर, गोहाना (सोनीपत) तथा अजीत सिंह उर्फ मुकेश कुमार निवासी जौहरी नगर, बहादुरगढ़ (झज्जर) के रूप में हुई है।

अनुसंधान अधिकारी के अनुसार, सागर को 16 जुलाई को गोहाना से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दो दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया। रिमांड के दौरान सागर ने खुलासा किया कि वह पिस्टल अपने साथी मुकेश कुमार से लाया था। इस खुलासे के बाद पुलिस टीम ने दिल्ली के मयूर विहार से मुकेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने लूट की योजना में प्रयोग की जाने वाली एक पिस्टल भी बरामद की, जो मुकेश कुमार के पास से मिली।

आरोपी जेल भेजे

दोनों आरोपियों को आज करनाल न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए जिला जेल करनाल भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

अमेरिका भेजने का झांसा देकर बीस लाख रुपये ठगे

इसराना। अमेरिका भेजने के नाम पर 20 लाख 50 हजार की ठगी है। वहीं, सोनीपत के गांव कुंडल निवासी जय भगवान के भाई सतवीर सिंह को अमेरिका भेजने का झांसा दिया।

पुलिस शिकायत में जय भगवान ने बताया कि दो साल पहले उनके भाई सतवीर को विदेश जाना था। पानीपत के गांव भादड निवासी रोहतास ने अमेरिका भेजने का वादा किया। रोहतास को 18 लाख रुपए कैश और बैंक ट्रांसफर के जरिए दिए गए। एजेंट ने सतवीर को भारत से तुर्की भेज दिया, जहां वह डेढ़ महीने तक फंसा रहा। आगे की प्रक्रिया के लिए रोहतास ने दिल्ली की जसप्रीत कौर से संपर्क करवाया। जसप्रीत ने वीजा और फ्लाइट की व्यवस्था के नाम पर ढाई लाख और ले लिए।

महिला की कलाई पर कट का निशान

पश्चिमी यमुना नहर से नग्न अवस्था में मिला महिला का शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

पश्चिमी यमुना नहर से नग्न अवस्था में एक महिला का शव बरामद हुआ है। महिला की कलाई पर कट का निशाना था और उसके पैरों की उंगलियों में चुटकिया डली हुई थी। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया।

- पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवाया

जानकारी के अनुसार गोताखोर राजीव ने बताया कि उसे सूचना मिली थी कि फतेहपुर पुल के पास पश्चिमी यमुना नहर में एक महिला का शव तैर रहा है। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचा। उसने महिला को नहर से बाहर निकाला। महिला पूरी तरह से नग्न अवस्था में थी। उसके शरीर पर कोई भी कपड़ा नहीं था। उसने बाजार से चादर मंगवाकर महिला के शव को ढका। इसके बाद उसने मामले की सूचना डायल 112 पुलिस टीम को दी। डायल 112 टीम के इंचार्ज बलराम टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम की जांच के दौरान महिला की कलाई पर कट का निशान मिला इसके साथ ही उसके पैरों की उंगलियों में चुकटियां डली हुई थी। इंचार्ज ने घटना के बारे में बूडिया थाना पुलिस को सूचित किया। बूडिया थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई। बताया जा रहा है कि जिस प्रकार महिला नग्न अवस्था में मिली है इससे महिला के साथ कोई अनहोनी घटना घटित हुई है। क्योंकि अगर महिला सुसाइड करती तो उसके शरीर पर कपड़े होते। बहरहाल बूडिया थाना पुलिस ने शव की शिनाख्त न होने पर उसे सिविल अस्पातल के शव गृह में रखवा दिया। पुलिस ने इस बारे आसपास के पुलिस थानों में सूचना भी दे दी है।

राहुल हत्या मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस कुरूक्षेत्र ने हुडा ग्राऊड पिहोवा में हुई राहुल हत्या मामले के मुख्य आरोपी रोहित कुमार उर्फ दीपू वासी पिहोवा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार किया है।

- कुरुक्षेत्र के पिहोवा का निवासी था मृतक राहुल

थाना शहर पिहोवा में दी शिकायत में इन्द्रजीत वासी पिहोवा ने बताया कि वह फौजी प्लॉट पेहवा में चिकन का काम करता है। 2 दिसम्बर 2024 को उसकी दुकान पर एक लडके ने बताया कि उसका लड़का हुड्डा ग्राउंड में खून से लथपथ पड़ा है।

वह मौके पर गया और उसने देखा कि उसका लड़का राहुल की छाती पर गोली के निशान थे। सूचना पर पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक जगदेव सिह अपनी टीम सहित मौका घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने एम्बुलैंस से घायल को सरकारी हस्पताल पेहवा मे जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 6 दिसम्बर 24 को अपराध अन्वेषण शाखा-1 की टीम ने मामले में आरोपी लवप्रीत सिंह उर्फ बाबा वासी गांव सतौडा वा जसविन्द्र सिंह उर्फ सेठी वासी साम्भली जिला करनाल को गिरफ्तार कर लिया था। अपराध अन्वेषण शाखा-1 प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार के मार्गनिर्देश मे उप निरीक्षक शरनजीत सिंह पीएसआई विनय कुमार, सहायक उप निरीक्षक संदीप कुमार व सिपाही सतबीर सिंह की टीम ने राहुल हत्या मामले के मुख्य आरोपी रोहित कुमार उर्फ दीपू वासी पेहवा जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया।

करनाल के गोंदर गांव में ठगी का बड़ा मामला

खुद को फर्जी डिजाइनर बताकर 13 महिलाओं के लाखों के गहने उड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

गोंदर गांव में खुद को ज्वेलरी डिजाइनर बताकर एक शातिर महिला ने गांव की 13 महिलाओं से लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने ठग लिए और फरार हो गई। चार दिन तक गांव में विश्वास जीतने के बाद शुक्रवार को तय समय पर न लौटने पर महिलाओं को ठगी का अहसास हुआ। अब सभी पीड़ितों ने निसिंग थाने में शिकायत दी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला एक बच्ची को साथ लेकर गांव आई थी। उसने दावा किया कि वह ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए महिलाओं के पुराने गहनों के डिज़ाइन की प्रदर्शनी कर रही है और इसके बदले अच्छे इनाम दिए जाएंगे। पहले एक महिला से चांदी की चुटकी ली और दूसरे दिन उसे लौटाकर बर्तन भी लौटाए। इसी विश्वास में अन्य महिलाएं भी आ गईं। धीरे-धीरे गांव की महिलाएं सोने की बालियां, अंगूठियां, चेन तक उसे देने लगीं। महिला ने शुक्रवार को सुबह 10 से 12 बजे तक वापस लौटने का वादा किया था, लेकिन जब वह नहीं आई तो महिलाओं को धोखा होने का एहसास हुआ।

पीड़िताओं का कहना है कि महिला ने बड़ी चतुराई से माहौल बनाकर उन्हें अपने आप गहने सौंपने को मजबूर किया। सभी को लगा कि उनके गहनों के बदले अच्छा इनाम मिलेगा। लेकिन जैसे ही वह तय समय पर नहीं लौटी, सभी को समझ आया कि वे ठगी का शिकार हो चुकी हैं।

इनके गहने ठगे

सुदेश: सोने की बालियां
ऊषा: 12 तोला चांदी, 6 ग्राम सोना
पूजा: आधा तोला सोना
सोनिया: आधा तोला सोने के गहने
सोनिया देवी: आधा तोले की ओम बालियां
प्रियंका: 2.20 ग्राम सोना
पिंकी: 2 ग्राम सोना
रेशमी: 2 ग्राम सोने की बालियां
सरोज: चांदी की पाजेब
मुकेश देवी: चांदी के गहने
सीता: दो जोड़ी चांदी की चुटकी
पूनम: चांदी की पायल
सीमा: दो जोड़ी चांदी की चुटकी
नरेशो देवी: चांदी की पायल

अवैध हथियारों के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

- एक आरोपी पर 22 अपराधिक मामले दर्ज तो दूसरे पर चार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की अपराध अन्वेषण शाखा टू ने गांव रटौली के पास से दो बदमाशों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। जांच के दौरान सामने आया कि पकड़े गए एक आरोपी पर 22 अपराधिक मामले दर्ज हैं तो दूसरे आरोपी पर चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है।

एएसआई अनिल कुमार ने बताया कि वह देर शाम टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि गांव रटौली के पास दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे दो युवकों को हिरासत में लेकर उनकी तलाशी ली तो उसके पास से पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी युवकों की पहचान रजत पंडित व परवेज के रूप में हुई।

आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। आरोपी परवेज पर 22 अपराधिक मामले दर्ज है जबकि आरोपी रजत पंडित पर चार अपराधिक मामले दर्ज हैं जो कोर्ट में विचाराधीन है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है।

विवि में 23 से 27 जुलाई तक होगा अंतरराज्यीय युवा कार्यक्रम

कुरुक्षेत्र में सांस्कृतिक विरासत का लगेगा महाकुंभ

- कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों की सांस्कृतिक विरासत का महाकुंभ लगेगा।

इस सांस्कृतिक विरासत में हर प्रदेश की संस्कृति को देखने के लिए 23 जुलाई से 27 जुलाई तक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अंतर्राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर कमेटियों का गठन कर दिया गया है और अलग-अलग नोडल अधिकारी भी नियुक्त कर दिए गए है। हरियाणा युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विकास विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत प्रबंधों की समीक्षा हेतु अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। प्रधान सचिव ने अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025 में विभिन्न प्रदेशों से आने वाले 900 युवाओं को ठहरने, यातायात, खाने की व्यवस्था,बिजली, शौचालय, साफ सफाई, मंच व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं के साथ-साथ अन्य प्रबंधों पर बारीकी से स्थानीय अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की फीडबैक ली और प्रबंधों को और बेहतर बनाने के लिए कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने सख्त आदेश दिए कि किसी स्तर पर भी प्रबंधों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

अगर किसी स्तर पर कमी पाई गई तो सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेवारी भी तय की जाएगी। सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर प्रबंधों को निर्धारित समय अवधि में पूरा करना सुनिश्चित करेंगे।

सम्मानित होगी टीम

कार्यक्रम में जिस भी राज्य की टीम अनुशासन में अव्वल आएगी, उस को सम्मानित भी किया जाएगा। इस मौके पर हरियाणा कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक कैप्टन मनोज कुमार, उपायुक्त नेहा सिंह, डीएसपी सुनील कुमार, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विरेन्द्र पाल,श्री विश्वकर्मा स्कील विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा, डीवाईएसीए के निदेशक डा. विवेक चावला,आईटीआई के उपनिदेशक राजकुमार,आईटीआई के प्रधानाचार्य जगमोहन आदि उपस्थित थे।

कांवड़ यात्रा मार्गों पर बढ़ने लगा कांवड़ियों का हुजूम, बम बम भोले के जयघोष से जिले में वातावरण बना शिवमय

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

- हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे कांवड़िए

हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे कांवड़ियों की आस्था से जिले की सड़कों पर वातावरण शिवमय बन रहा है। रोजाना जिले की सड़कों से हजारों कांवड़िए विभिन्न प्रकार के आकर्षक कांवड़ लेकर जिले की सड़कों से गुजर रहे हैं। खास बात यह है कि कांवड़िए एक से बढ़कर एक कांवड़ लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं।

कांवड़ में है अटूट आस्था

पंजाब के पटियाला के कांवड़िए मोहित राजपूत, राजबीर सिंह, सुलेख चंद, राजन कुमार व गुलाब सिंह आदि ने बताया कि वे पिछले तेरह वर्षों से कांवड़ लेकर आ रहे हैं। उनकी कांवड़ और शिव में इतनी आस्था है कि उनके कार्य पूर्ण हो रहे हैं। जो भी भगवान शिव से मन्नत मांगी है वह उनकी पूरी हुई है।

23 जुलाई को होगा जलाभिषेक

पंडित जसराज शर्मा व पंडित महेश कौशिक ने बताया कि इस बार सावन शिवरात्रि का शुभ मुहूर्त 23 जुलाई को निशा काल मे 12 बजकर 7 मिनट से लेकर 12 बजकर 47 मिनट तक है। वहीं, इस शुभ अवसर पर भद्रावास योग दोपहर 3 बजकर 31 मिनट तक है। जबकि हर्षण योग का निर्माण दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से हो रहा है। इस शुभ मुहूर्त में शिव मंदिरों में जलाभिषेक शुरु हो जाएगा। उन्होंने बताया कि शिव लिंग पर जलाभिषेक करने से मनवांछित कामना पूर्ण होती है और शिव की आपार कृपा मिलती है।

यमुनानगर। सड़कों से हरिद्वार से गंगाजल लेकर गुजरते हुए कांवड़ियों के हुजूम। फोटो : हरिभूमि

शिव भक्तों के गुजरने से वातावरण बना शिवमय

शनिवार को पंजाब, हरियाणा व हिमाचल और जम्मू काश्मीर के दिन भर हजारों कांवड़िए जिले की सड़कों से गुजरे। इस दौरान कोई कांवड़ियां पांव में घुंघरू बांधे हुए था तो किसी ने भारी भरकम कांवड़ कंधे पर उठा रखा था। खास बात यह थी कि कांवड़ियों एक से बढ़कर एक कांवड़ सजाकर चल रहे थे। सभी कांवड़िए बम-बम भोले का जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे।

जलभराव से निपटने को सीवरेज लाइनों व नालों को साफ रखें अधिकारीः बहमनी

हरिभूमि न्यूज. यमुनानगर

बारिश में होने वाले जलभराव से निपटने को लेकर मेयर सुमन बहमनी हर वार्ड का दौरा कर जल निकासी के इंतजाम करवा रही हैं। इसी के चलते मेयर सुमन बहमनी ने सफाई शाखा, अभियंता शाखा व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ वार्ड दो की श्रीनगर कॉलोनी का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान यहां सीवरेज ब्लॉक मिला और सफाई व्यवस्था बेहतर नहीं मिली। मेयर सुमन बहमनी ने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को ब्लॉक पड़े सीवरेज को दुरुस्त करने और सफाई अधिकारियों को सफाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए।

- मेयर ने श्रीनगर कॉलोनी का निरीक्षण कर ब्लॉक सीवरेज को दुरुस्त कराने के दिए निर्देश

यमुनानगर। श्रीनगर कॉलोनी में निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश देते मेयर सुमन बहमनी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उनके साथ हालहि में मनोनित हुए पार्षद सीमा गुलाटी, पार्षद अरुण पप्पू, सीएसआई हरजीत सिंह, जेई गगन संधू, एसआई अमित कांबोज, एएसआई सचिन कांबोज, गीता कपूर, दिव्या जिंदल, आशु व दिव्या सिंघल आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शहीद मंगल पांडे की जयंती मनाई

रादौर। इंडियन पब्लिक स्कूल रादौर में शनिवार को शहीद मंगल पांडे की जयंती उल्लासपूर्वक मनाई गई। इस दौरान शहीद मंगल पांडे के चित्र पर स्कूल के प्रिंसीपल ईश मेहता व अध्यापकों और विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। स्कूल के प्रिंसीपल ईश मेहता ने कहा कि मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को बिजनौर में हुआ था। मंगल पांडे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल बजाने वाले पहले स्वतंत्रता सेनानी थे। जिन्होंने अंग्रेजों की नीतियों का खुलकर विरोध करते हुए भारत की आजादी की पहली लड़ाई लड़ी थी। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की क्रांति मंगल पांडे ने जगाई थी।

गलत प्लेट लगाकर घूम रहे युवक को दबोचा

यमुनानगर। जगाधरी के जय बाला जी धर्म कांटे के पास बाइक पर गलत नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे युवक को पुलिस ने दबोच लिया। हैड कांस्टेबल रणबीर सिंह ने बताया कि वह देर शाम जगाधरी में बाइक पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसे बाइक के दस्तावेज दिखाने के लिए कहा। मगर आरोपी बाइक के दस्तावेज नहीं दिया पाया। जांच करने पर पता चला कि यह बाइक कुरूक्षेत्र में रजिस्टर्ड है। जबकि आरोपी बाइक पर गलत नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान यमुनानगर के गांव गुलाबगढ़ निवासी सौरभ के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी पर धोखाधड़ी व जालसाजी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

घर से नकदी समेत हजारों का सामान चोरी

यमुनानगर। गांव जागधौली में एक युवक ने घर में घुसकर नकदी समेत हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव जागधौली निवासी राम निवास ने थाना छप्पर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि 13 जुलाई की रात को वह परिवार के साथ खाना खाकर सो गया था। सुबह जब वह उठे तो उन्हें घर में सामान बिखरा मिला। जांच करने पर घर से आठ हजार रुपये, लैपटॉप, टुल्लूपंप व अन्य सामान गायब मिला। इस दौरान उन्हें पता चला कि यह सामान गांव के ही गौरव ने चोरी किया है। उसने आरोपी से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

भारतीय किसान यूनियन ने भाजपा की प्रदेश सरकार को दी चेतावनी

खाद की कमी को जल्द दूर नहीं किया तो भाकियू करेगी आंदोलनः गुर्जर

- भारतीय किसान यूनियन की जिला कार्यकारिणी की धौड़ंग स्थित कार्यालय में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭रादौर

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सदस्यों की शनिवार को गांव धौडंग स्थित यूनियन के कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने की।

जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि प्रदेश में डीएपी व यूरिया को लेकर कई जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। किसानों ने डीएपी व यूरिया की कमी कालाबाजारी और बढ़ी हुई कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किए हैं। मगर इसके बावजूद किसानों को खाद नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अपने आप को किसान हितैषी का दावा करने वाली सरकार झूठी वाहवाही लूट रही है। पूरे प्रदेश में खाद नहीं है। जिला में तो खाद का अकाल पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र, पेहवा, हिसार व अन्य जिलों में खाद को लेकर प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। यदि जिले में अधिकारियों से खाद को लेकर बात की जाती है तो कहते हैं की कावड़ यात्रा चल रही है।

खाद तो ट्रेन द्वारा आता है। सरकार बहानेबाजी को छोड़कर किसान को खाद देने का इंतजाम करें। उन्होंने कहा कि यदि दो दिन के भीतर जिले में खाद नहीं आया तो भारतीय किसान यूनियन कड़ा निर्णय लेगी और कहीं न कहीं जिला में रोड जाम करने को लेकर तैयारियां की जाएंगी। पिछले कई वर्षो से ऐसा हो रहा है कि किसानों के परिवारों की महिलाएं भी खाद के लिए लाइनों में लगने को मजबूर हो रही हैं।

गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार जब से आई है तब से किसानों को मेरा पानी मेरी विरासत, मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल नामक कई बीमारियों में उलझा रखा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री व मंत्री समय समय पर झूठ बोल रहे हैं। भाजपा से जुड़े लोग खाद होने का झूठा दावा कर रहे हैं ।

जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा कि आज किसान को अपनी धान की फसल की चिंता हो रही है। यह सरकार कॉर्पोरेट घरानों की सरकार है। किसान को खेती से दूर करना चाहती है। फसल बुआई के समय खाद नहीं और फसल मंडियों में जाती है तो किसान को रेट नहीं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा जल्द खाद की कमी को दूर नहीं किया गया तो यूनियन सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी। मौके पर महेंद्र कांबोज चमरौडी, यादविंदर कांबोज जयपुर, सुभाष शर्मा, अशोक डांगी, सुभाष हरतौल बिलासपुर, जसविंदर अजीजपुर, गुरनाम अजीजपुर, नायब सलेमपुर, अमृतपाल, अमरजीत, नरेश मोहडी व उदय सिंह कुंजल आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। गांव धौड़ंग स्थित कार्यालय में भाकियू की बैठक की अध्यक्षता करते जिला प्रधान सुभाष गुर्जर।

स्वच्छता रैंकिंग में नपा रादौर ने प्राप्त किया नौवां स्थान

रादौर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की स्वच्छता रैंकिंग में नगर पालिका रादौर ने नौवां स्थान हासिल किया है। जबकि गत वर्ष नपा रादौर का स्वच्छता रैंकिंग में 171वां स्थान था। इस बार स्वच्छता रैंकिंग में बेहतरीन स्थान हासिल किया है। रादौर के एसडीएम नरेंद्र कुमार ने स्वच्छता रैंकिंग में नौवां स्थान हासिल करने पर नपा सफाई शाखा के कर्मचारियों और सफाई मित्रों को बधाई दी। एसडीएम नरेंद्र कुमार ने कहा कि हमें भविष्य में और बेहतर कार्य करना है। नगर पालिका रादौर का लक्ष्य लगातार देश में सबसे स्वच्छ शहरों में शीर्ष स्थान हासिल करना है। इसके लिए हमें और मेहनत व लगन से कार्य करने की आवश्यकता है। एसडीएम नरेंद्र कुमार ने बताया कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जारी किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण परिणाम में रादौर नगरपालिका को प्रदेश में नौवां व राष्ट्रस्तर पर 324वां रैंक हासिल हुआ है। जबकि गत वर्ष यह रैंक प्रदेश में 171 और राष्ट्रीय स्तर पर 1789 था। कस्बे की स्वच्छता स्थिति में हुए सुधार पर नपा पार्षदों व कस्बे के लोगों ने खुशी जाहिर की है। साथ ही उम्मीद जताई है कि भविष्य में यह रैंक पहले तीन स्थानों में शामिल होगा। नपा चेयरमैन रजनीश मेहता ने बताया कि उनका प्रयास है कि भविष्य में इस रैंकिंग में और सुधार हो सके। जिसके लिए वह निरंतर कस्बे की सफाई व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करेंगे। कस्बे की सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए नपा रादौर जल्द ही खुद की मशीन की खरीद करने जा रही है। वहीं, नगर पालिका के सचिव सुरेंद्र मलिक ने बताया कि शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से हर वर्ष आबादी के आधार पर स्वच्छता सर्वेक्षण करवाया जाता है। जिसके आधार पर रैंकिंग दी जाती है। इस सर्वेक्षण में कस्बे की सफाई व्यवस्था, सभी घरों में शौचालय, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति व कचरा निपटान की स्थिति का आंकलन किया जाता है।

यमुनानगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते अध्यापक।

विद्यार्थियों का मानसिक और शारीरिक स्वस्थ होना जरूरीः डॉ. पल्लवी

यमुनानगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को अध्यापकों के लिए सीबीएसई बोर्ड के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रिसोर्स पर्सन के रुप में डॉ. पल्लवी भारद्वाज व डॉ.सीमा दत्त ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित करके किया गया। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. पल्लवी भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों का सही होना जरूरी है। यदि कोई छात्र शारीरिक रुप से सशक्त है, लेकिन उसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो इससे उसका आत्मविश्वास तो कम होता ही है। विद्यालय के निदेशक हितेश गर्ग ने कहा कि विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी शारीरिक एवं मानसिक रुप से स्वस्थ होना चाहिए। वहीं, विद्यालय के चेयरमैन रामनिवास गर्ग ने कहा कि इस कार्यशाला में शिक्षकों से मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों की पहचान, उससे निपटने के तरीकों और सहायता प्रणालियों तक पहुँचने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। कार्यशाला के अंत में प्रधानाचार्या पूर्णिमा वाधवा ने कार्यशाला के प्रशिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंटकर धन्यवाद किया।

सीईटी की परीक्षा शांतिपूर्वक करवाने के लिए व्यापक प्रबंध किएः डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

- जिले में बनाए गए 47 केन्द्रों पर 45062 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई को करवाई जाने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा(सीईटी) को शांतिपूर्वक और नकल रहित सम्पन्न करवाने के लिए जिला में प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। यह परीक्षा जिले में सुबह व शाम दो सत्रों में होगी। परीक्षा के लिए जिला 47 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिन पर 45062 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उक्त जानकारी उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि 26 जुलाई को सुबह और शाम के सत्र में 22636 परीक्षार्थी तथा 27 जुलाई को सुबह और शाम के सत्र में 22426 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सीईटी की परीक्षा पूर्णतः नकल रहित हो। लेकिन इसके बावजूद यदि कोई परीक्षार्थी नकल कराता या करता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से भी स्पष्ट किया गया है कि इस तरह की परीक्षाओं में अनुचित तरीकों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। पेपर लीक करने व नकल करवाने वालों की खैर नहीं होगी। यदि कोई व्यक्ति परीक्षा अधिकारी के साथ मिलकर पेपर लीक करने का षडयंत्र रचता है तो दोषी को कड़ी से कड़ी की सजा दिए जाने का प्रावधान है।

उपायुक्त ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर नकल व अनुचित तरीकों की चैकिंग के लिए एचसीएस स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में उडनदस्ते तैनात रहेंगे। प्रत्येक अभ्यर्थी की परीक्षा केन्द्र में प्रवेश से पहले तलाशी ली जाएगी और सभी की वीडियोग्राफी रहेगी। 26 व 27 जुलाई आयोजित होने वाली सीईटी की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को रेलवे स्टेशन व बस अड्डे से परीक्षा केन्द्र तक लाने ले जाने के लिए शटल बसों की व्यवस्था रहेगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

शक्ति हाउस टीम ने इंटर हाउस पेंटिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

होली मदर पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को कल्पना को छूने दो आसमान विषय पर इंटर हाउस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के चेयरमैन जीएस शर्मा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका ने बताया कि प्रतियोगिता आयोजित करने का मुख्य उदेश्य बच्चों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति और समाज के प्रति उनकी समझ को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत करना रहा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं के विद्यार्थियों के लिए स्टोरी टेलिंग थीम रही। जिसमें बच्चों ने काल्पनिक कहानियों, पौराणिक पात्रों, और प्रेरक प्रसंगों को अत्यंत जीवंत चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। बच्चों की कलाकृतियों में उनके कोमल मन की कल्पनाशक्ति और कहानी कहने की कला का अद्भुत मेल देखने को मिला। उन्होंने बताया कि कक्षा पांचवी रेड हाGस के धुरव, हिमाक्षी, क्रितिका, आराध्या, हरगुन, साहिब सिंह, हरितिका, तनवी, अगमदीप आदि विद्यार्थियों की कलाकृतियां सराहनीय रही। वहीं, कक्षा 6वीं से नौवीं के विद्यार्थियों के लिए माई विजन (बदलती दुनिया,भविष्य का भारत, समाज में बदलाव, शिक्षा, सामाजिक बुराइयां) आदि थीम रखी गई। विद्यार्थियों ने विषयों की गंभीरता को समझते हुए अपनी सोच को चित्रों के माध्यम से बहुत प्रभावशाली तरीके से दर्शाया। उनकी पेंटिंग्स में एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक की सोच स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। इनमें यशस्वी, अश्मिता, कनिष्का, गारगी, प्रिया, हरप्रीत, संजना, रागिनी आदि विद्यार्थियों की कलाकृतियां उत्तम रही। इस प्रतियोगिता में शक्ति हाऊस प्रथम रहा। प्रधानाचार्या मोनिका ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों की सराहना की। मौके पर स्कूल के चेयरमैन जीएस शर्मा ने कहा कि कल्पना को छूने दो आसमान जैसे आयोजन बच्चों की रचनात्मकता और सामाजिक समझ को उजागर करते हैं। बच्चों ने अद्भुत चित्रों के माध्यम से अपनी सोच को व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को प्रतियोगिता का सफल आयोजन करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास ही भविष्य के जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं।

- होली मदर पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल में आयोजित इंटर हाउस पेंटिंग प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाते विद्यार्थी।

निःशुल्क अस्थमा व दमा जांच शिविर में 150 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

यमुनानगर। शहर के सहारनपुर-कुरुक्षेत्र मार्ग पर कैंप स्थित निर्मल अस्पताल में शनिवार को निःशुल्क अस्थमा व दमा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 150 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। मौके पर मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की। इस दौरान छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की भी जांच की गई। डॉ. निर्मल सिंह ने मरीजों को रोगों के उपचार और स्वस्थ रहने के लिए उपाय बताए। आजकल बरसात का मौसम चल रहा है। जिसकी वजह से लोग जानकारी के अभाव में विभिन्न रोगों की चपेट में आ रहे हैं। डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि शिविर में ज्यादातर रोगी अस्थमा, सांस व दमा से पीड़ित पाए गए। जिनका अस्पताल की ओर से निःशुल्क उपचार किया गया। डॉ. निर्मल ने बताया कि बरसात के मौसम में उमस व तापमान बढ़ने से अस्थमा और दमा के मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मरीजों को मौसम में बढ़ रही उमस और तापमान के चलते खानपान में तीखे मसाले आदि से बने खाद्य पदार्थ नहीं खाने के लिए सलाह दी। शिविर में बाल रोग विशेषज्ञों ने 80 बच्चों के स्वास्थ्य की भी जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की। मौके पर उन्होंने बच्चों के खान पान के बारे में भी अभिभावकों को सचेत किया।

शहर के मेयर हाउस पर प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी का आयोजन

नियमित योग व व्यायाम ही स्वस्थ जीवन शैली का आधारः संजीवन

- गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रुप में आरोग्य भारती के उत्तर एवं राजस्थान क्षेत्र के संयोजक संजीवन ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭यमुनानगर

आरोग्य भारती हरियाणा के तत्वावधान में स्वस्थ जीवन शैली को लेकर शहर स्थित मेयर हाउस पर प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। आरोग्य भारती उत्तर क्षेत्र एवं राजस्थान क्षेत्र के संयोजक संजीवन ने गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रुप में भाग लिया। जबकि अध्यक्षता नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी ने की। वहीं, विशिष्ठ अतिथि के रुप में आरोग्य भारती के प्रांतीय सचिव यशपाल आर्य व सह संयोजक डॉ. रणजीत सिंह मौजूद रहे। आरएसएस के जिला संघचालक सेवाराम के सानिध्य में गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन आरोग्य भारती के प्रांतीय योग प्रमुख डॉ. शिव कुमार सैनी ने किया।

मुख्य वक्ता संजीवन ने कहा कि आरोग्य भारती लोगों को स्वस्थ जीवन, सेवा व संस्कार के साथ साथ एक अच्छा इंसान बनाती है। बीमारी होने के बाद चिकित्सक दवाइयों के माध्यम से मरीजों का उपचार करते हैं जबकि आरोग्य भारती की परिकल्पना है कि व्यक्ति को बीमार होने से किस तरह से बचाया जा सकता है। हमें उस पर चिंतन करना चाहिए।

यदि व्यक्ति नियमित योग, व्यायाम, प्राणायाम, मौसमी फल, हरी सब्जियां, प्रातःकाल गुनगुना पानी आदि को अपने जीवन शैली में शामिल करता है तो वह बीमारियों से ग्रसित होने से बच सकता है। मौके पर मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि एक स्वस्थ और निरोगी जीवन शैली एक दिन का काम नहीं है। इसमें छोटे छोटे प्रयासों की एक श्रृंखला है।

जो आपके जीवन को खुश, स्वस्थ और योग्य बनने के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए हमें नियमित व्यायाम, योग व सैर करनी जरूरी है। कोविड महामारी के बाद आम जन मानस का भरोसा भारत की प्राचीन विधाओं के प्रति ज्यादा पुख्ता हुआ है। तुलसी, गिलोय, अदरक व दालचीनी समेत ऐसी बहुत सारी घरेलू औषधियां हमारे घरों में मौजूद रहती हैं। जिनकी यदि अच्छे से जानकारी हो तो बहुत सारी बीमारियों को हम घर में ही ठीक कर सकते हैं।

यमुनानगर। मेयर हाउस पर आयोजित गोष्ठी में संबोधित करते मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

स्वस्थ जीवन के लिए हमें पैदल चलना चाहिए

आरोग्य भारती के जिला सचिव सतपाल बहमनी ने कहा कि हम रोजाना शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। स्वस्थ जीवन के लिए हमें पैदल चलना, खेलकूद, योग या दौड़ना, व्यायाम करना चाहिए। संतुलित, कम वसा वाला आहार लें। अच्छी इम्यूनिटी के लिए स्वस्थ जीवन शैली का विशेष महत्व है। इसलिए सभी नागरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देंए समाज में स्वास्थ्य जागरूकता की लौ जलाएं। आरोग्य भारती के जिला अध्यक्ष राजेश सेठ ने सभी का आभार जताया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष नानक चंद वैध, निगम पार्षद रीना रस्तोगी, पार्षद मनजीत कौर, पार्षद संतोष, भाजपा मंडल सचिव दीक्षा बरार व जगाधरी महिला मोर्चा महामंत्री सपना आदि मौजूद रहे।

शहीद उधम सिंह का प्रदेश स्तरीय शहीदी समारोह होगा ऐतिहासिकः अमित

रादौर। हरियाणा कांबोज सभा द्वारा 28 जुलाई को इंद्री की अनाज मंडी में आयोजित होने वाले शहीद उधम सिंह के प्रदेशस्तरीय शहीदी समारोह के लिए सभा के जिला कार्यकर्ताओं ने शनिवार को रादौर क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांव में जनसंपर्क किया। इस दौरान सभा के सदस्यों की टीम का नेतृत्व वरिष्ठ नेता अमित कांबोज ने किया। सभा वरिष्ठ नेता कांबोज ने बताया कि हरियाणा कांबोज सभा द्वारा शहीद उधम सिंह का प्रदेश स्तरीय शहीदी समारोह 28 जुलाई को इंद्री की अनाज मंडी में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस समारोह में पूरे प्रदेश से लाखों लोग शामिल होंगे। उन्होंने दावा जताया कि प्रदेशस्तरीय शहीदी समारोह ऐतिहासिक होगा। वहीं, दूसरे चरण में जनसंपर्क अभियान चलाकर शहरी क्षेत्र के लोगों को निमंत्रण दिया जाएगा। जिले के ग्रामीण क्षेत्र को सात ब्लॉक में बांट कर सभी ब्लॉक के प्रमुख तय कर दिए गए हैं। हर ब्लॉक में दस से पंद्रह गांव आते हैं। यह ब्लॉक प्रमुख अपनी टीम के साथ जिले के हर गांव में घर घर जाकर कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। सभा की जिला कार्यकरिणी द्वारा पहले चरण में दामला, कुंजल, हाफिजपुर, गुगलो आदि समेत गांव में जनसंपर्क किया गया। मौके पर कांबोज सभा के जय प्रकाश कांजनू, जगमाल रतनगढ़, राजपाल मंधार, ईश्वर जयपुर, सीटू नंबरदार, सतीश संधाली, कमलदीप कश्मीर गढ़, सुखबीर अलाहर, मुकेश शास्त्री, राजीव आर्य, ओम प्रकाश चमरौड़ी व वागीश आदि जनसंपर्क में शामिल रहे।

खबर संक्षेप

विद्यालय स्तरीय गणित विज्ञान मेले का आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के तत्वाधान संचालित विद्यालय गीता निकेतन विद्या मंदिर सेक्टर -3 में विद्यालय स्तरीय गणित विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विषयों पर आयोजित मॉडलों से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन - किया। मेले का आयोजन विद्यालय गणित-विज्ञान मेला प्रमुख प्रिया नारंग द्वारा किया गया।

नॉन टीचिंग क्लब में रक्तदान शिविर 21 को

कुरुक्षेत्र। सर्व समाज कल्याण सेवा समिति द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के नॉन टीचिंग क्लब में 21 जुलाई सोमवार को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। समिति के संरक्षक नरेश सैनी ने बताया कि शिविर में 18 वर्ष से उपर का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान महादान है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को इस महादान में अपनी आहुति अवश्य डालनी चाहिए। शिविर सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक चलेगा।

सड़क सुरक्षा नियमों का सभी करें पालन

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा रोड रूल्स लाईफ टूल्स कैंपेन चलाया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि रेडक्रॉस के सहयोग से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धुराला में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियम, गुड स्मार्टियन लॉ, क्लेम प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

पीएलवीज के लिए वर्कशॉप का आयोजन

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एडीआर सैंटर में पीएलवीज के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस वर्कशॉप में महिलाओं के अधिकार, मध्यस्थता प्रणाली, किशोर न्याय अधिनियम, ई-कोर्ट विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि वो आमजन को जागरूक कर सकें। इस वर्कशॉप में डीएलएसए के पीएलवीज ने भाग लिया।

पुलिस कांवड यात्रा को लेकर अलर्ट मोड़ पर, सुरक्षा के व्यापक प्रबंध

'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोषों से पूरा क्षेत्र शिवमय

कांवड़ियों के विश्राम के लिए जगह-जगह पंडाल लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी में श्रावण मास की कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है। धीरे धीरे हरिद्वार से जल लाने वाले कांवड़िए धर्मनगरी से गुजरने लगे है। धर्मनगरी में कांवडियों के विश्राम के लिए जगह-जगह पंडाल लगाए गए है। पंडाल बोल बम बोल बम के नारों से गूंज रहे है। शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को है। कांवड़ यात्रा के दौरान धर्मनगरी से होकर गुजरने वाले मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ आनी शुरू हो गई है। 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोषों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्यों की ओर लौटने लगे हैं। कांवड़ मार्ग समेत अन्य मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया है। श्रद्धालुओं के लिए चिकित्सा, पानी और विश्राम की व्यवस्था के साथ जगह-जगह भंडारे भी संचालित हो रहे हैं। वहीं कुरुक्षेत्र पुलिस द्वारा कावड लेकर चल रहे श्रदालुओं की सुरक्षा तथा कावड यात्रा को सुचारू एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। कावड़ लेकर चल रहे श्रदालुओं को जिला कुरुक्षेत्र में बिना किसी बाधा के रास्ता उपलब्ध करवाने तथा यातायात को सुचारू रूप से चलाने के पुख्ता प्रबन्ध किए गए हैं। श्रदालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए जिला पुलिस द्वारा विशेष नाके लगाए गए हैं तथा कावड यात्रा पर विशेष निगरानी की जा रही है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्ग-निर्देश में कावड यात्रा के सम्बन्ध में कुरुक्षेत्र पुलिस द्वारा सभी व्यापक प्रबंध किए गए है। सभी रास्तों व मार्गो पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

कुरुक्षेत्र। पंडाल पर तैनात पुलिस कर्मी।

कुरुक्षेत्र। कांवड लेकर जाते शिव भक्त।

पुलिस प्रभारियों को गश्त के आदेश, लगाए नाके

जिला यमुनानगर की सीमा से लेकर कुरुक्षेत्र शहर व अन्य मार्गो पर पुलिस द्वारा विशेष नाके, पेट्रोलिंग व गश्त पार्टी लगाई गई हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारी और चौंकी इंचार्जो को आदेश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने एरिया में गस्त करें व विशेष ध्यान रखें। भीड़-वाले एरिया में कावड़ श्रद्धालुओं के लिए अलग से रास्ता बनाया गया है। नाकों पर तैनात कर्मचारियों को कावड यात्रा के सम्बन्ध में हिदायत दी गई हैं। कावडियों की आड में शरारती तत्वों पर पुलिस द्वारा कडी नजर रखी जा रही है। उप पुलिस अधीक्षक यातायात रोहतास कुमार ने बताया कि यातायात पुलिस को मार्गो पर तैनात करके आदेश दिए गए कि चौंकों व भीड-भाड वाले स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मी सजगता से अपनी ड्यूटी करें ताकि किसी भी स्थिति में जाम लगने से बचा जा सके। श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि कावडियों के लिए लगने वाले शिविरों को उचित स्थान पर लगाया जाए। कोई भी श्रद्धालु उंची आवाज में बजने वाला म्यूजिक सिस्टम अपने वाहन पर या शिविर में ना लगाएं। किसी प्रकार के नशे का प्रयोग ना करें।

श्रीकृष्ण आयुष विवि के आयुर्वेदिक अस्पताल में फ्री मिबोग्राफी की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आमजन की आंखों की रोशनी अब और सुरक्षित रहेगी,क्योंकि श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय ने आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में एक और तकनीकी उपलब्धि जोड़ी है। अब मरीजों को आंखों की गहन जांच (मिबोग्राफी) के लिए निजी अस्पतालों में जेब ढीली नहीं करानी पड़ेगी। विश्वविद्यालय के शालाक्य तंत्र विभाग में लगभग 19 लाख रुपए की लागत से अत्याधुनिक स्लिट लैंप बाय माइक्रोस्कोप मशीन स्थापित की गई है,जिससे आंखों की सूक्ष्मतम स्तर पर निशुल्क जांच होगी। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वैद्य करतार सिंह धीमान,कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर, आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान,अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो.राजेंद्र सिंह चौधरी, शालाक्य विभाग की चेयरपर्सन प्रो. आशु, प्रो. मनोज तंवर और डॉ.रुचिका ने शनिवार को मशीन का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. धीमान ने कहा कि यह मशीन हमारे छात्रों और शोधकतार्ओं के लिए एक वरदान साबित होगी। अब स्नातकोत्तर विद्यार्थी रोगियों की आंखों की सूक्ष्मतम स्तर पर जांच कर सकेंगे और उसकी रिकॉर्डिंग भी संभव होगी। इससे आयुर्वेद और आधुनिक तकनीक का समन्वय और मजबूत होगा। कहा कि विश्वविद्यालय आमजन को समर्पित भाव से आयुर्वेद की सशक्त और तकनीकी चिकित्सा पद्धति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव प्रो.ब्रिजेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि स्लिट लैंप बाय माइक्रोस्कोप जैसी उन्नत मशीन की स्थापना यह दशार्ती है कि हम केवल परंपरा में ही नहीं,तकनीकी प्रगति में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

रोगियों को आयुर्वेद पद्धतियों से मिल रहा लाभ

विभाग की चेयरपर्सन प्रो.आशु ने बताया कि शालाक्य तंत्र विभाग में प्रतिदिन लगभग 40 से 50 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। यहां एनसीटी मशीन द्वारा काला मोतिया और आंखों के प्रेशर की जांच, ऑटो-रेफ्रेक्टोमीटर मशीन से कंप्यूटराइज्ड आंखों की जांच, आयुर्वेद पद्धति से तर्पण, पुटपाक, सेक, आश्चयोतन, अंजन,स्वेदन, पिंडी और विडालक जैसी प्रक्रियाओं से रोगियों को उपचार का लाभ मिल रहा है।

राष्ट्रीय ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना को खत्म किए जाने की मंशा पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

मोदी सरकार द्वारा राष्ट्रीय ओवरसीज स्कॉलरशिप योजना को खत्म किए जाने की मंशा पर ऑल इंडिया अम्बेडकर महासभा ने गहरा रोष प्रकट किया है। महासभा की हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष रीना वाल्मीकि ने बताया कि वर्ष - 2025-26 सत्र के लिए चुने गए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनाजाति के 106 में से 66 छात्रों को सरकार द्वारा स्कॉलरशिप लेटर नहीं दिया गया है।

सरकार ने फंड के रुपयों को बर्बाद किया

रीना वाल्मीकि ने कहा सरकार ने इसका कारण बताया है कि फंड उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इन छात्रों के स्कॉलरशिप पत्र बाद में दिए जा सकते हैं, यदि फंड उपलब्ध होता है? रीना वाल्मीकि ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि जब कोई दलित, पिछड़ा या आदिवासी छात्र पढ़ना चाहता है, तभी मोदी सरकार का बजट खत्म हो जाता है। सरकार का ये कहना कि शिक्षा के लिए उनके पास फंड उपलब्ध नही है, लेकिन उनके पास धार्मिक आयोजनों के प्रचार -प्रसार और इवेंट्स पर हजारों करोड़ रुपये कहा से आते है। सरकार ने कुंभ के मेले में अनावश्यक हजारों करोड़ रुपये टैक्स पेयर के बर्बाद कर दिए जबकि हरियाणा सरकार ने भी तीन सो करोड़ से भी अधिक, कुरुक्षेत्र के गीता जयंती पर बर्बाद किया। देश मोदी सरकार से जानना चाहता है कि ये पैसा किस बजट के तहत खर्च किया गया था, क्या धार्मिक-आयोजनों के लिए सरकार के बजट मे प्रोविजन किया जा सकता है?

सीबीएसई की निर्देशित कार्यशाला का आयोजन

कुरुक्षेत्र। बीआर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में सी.बी.एस.ई. के द्वारा निर्देशित स्ट्रेंथनिंग अस्सेमेंट एंड इवेलयएशन विषय पर एक वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशाप में रिसोर्स पर्सन की भूमिका आई.पी.एस. विद्यालय, रादौर की उपप्राचार्या सोनू शर्मा रही। यह विद्यालय की इन हाऊस टेनिंग रही। सोनू ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से विषय के अनुरूप अपने वक्तव्य व पी.पी.टी के माध्यम से सभी श्रोताओं को बांध कर रखा। इस आयोजन में उक्त विद्यालय के लगभग 50 अध्यापकों ने भाग लिया।

टेलेंट शो प्रतियोगिताओं में दिखाया हुनर

- महंत प्रभात पुरी कन्या विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

झांसा रोड, श्याम कालोनी के महंत प्रभात पुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में टेलेंट शो-2025 की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। प्राचार्य भजन राठोर ने बताया कि यह प्रतियोगिताएं तीन वर्गो में हुईं। प्रतिभागी बच्चों ने समूह नृत्य, एकल नृत्य, समूह गायन,एकल गायन, लघु नाटिका, मिक्री, तथा वाद्ययंत्र बजाने आदि में प्रतिभा की छटा बिखेरी। राठोर ने कहा कि स्कूल ही बच्चों की प्रतिभा खोजने, प्रोत्साहित करने और कलाकार बनाने का एक सशक्त माध्यम है। बच्चे स्कूली मंच व अवसरों का लाभ उठाएं। प्राचार्य ने परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि प्राईमरी कक्षा वर्ग में महक प्रथम,यशिका द्वितीय, सुवति व महिका तृतीय रही। आशीष कश्यप को सांत्वना पुरस्कार से संतोष करना पड़ा। इसी प्रतियोगिता के कक्षा वर्ग 6 से 8 में परी व महिमा ने पहला,पलक ने दूसरा तथा कीर्ति व मुस्कान ने तीसरा स्थान पाया जबकि मानवी को सांत्वना पुरस्कार मिला । इिस अवसर पर उप प्राचार्य मंजुला शर्मा, सरिता शर्मा, डा संतोष शर्मा, हैड टीचर सुशीला देवी, अनु पाहवा, अनिता वालिया, सुमन धीमान, ज्योति रानी आदि मौजूद रहे।

बाल तस्करी व मजदूरी को खत्म करने के लिए रेलवे स्टेशन पर चलाया जागरूक अभियान

कुरुक्षेत्र। जस्ट राइट ऑफ इंडिया एलाइंस के तहत एमडीडी आफ इंडिया द्वारा बाल तस्करी रोकथाम, बाल मजदूरी व बाल यौन शोषण को रोकने के लिए कुरुक्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस के साथ मिलकर यात्रियों व लोगों को जागरूक किया। राजकीय रेलवे पुलिस के एसआई नरेश कहा कि बाल तस्करी समाज के लिए अभिशाप है। बाल तस्करी बच्चों के समग्र विकास को प्रभावित करता है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पैसे कमाने की क्षमता, व्यक्तिगत सुरक्षा, कानूनी अधिकार शामिल है। अगर हमें बाल तस्करी का पता चलता है तो हमें उनकी तुरंत जानकारी अधिकारियों जैसे बाल कल्याण समिति, चाइल्ड हेल्पलाइन, ग्राम सरपंच, तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, स्कूल शिक्षक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को उपलब्ध करवा सकते हैं। एमडीडी ऑफ इंडिया के जिला सह संयोजक रामलाल सिरसल ने बताया कि बाल तस्करी ना हो इसके लिए स्टेशन पर आए हुए लोगों को समय समय पर जागरूक किया जा रहा है। यह हम सब की जिम्मेदारी है।

दुकानदारों पर कार्रवाई बंद हो, जिम्मेदार मैन्युफैक्चरर्स पर शिकंजा कसे प्रशासन

पॉलिथीन के नाम पर की जा रही छापेमारी पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानव अधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता ने प्रशासन द्वारा दुकानदारों, रेडी-पटरी संचालकों व फुटकर व्यापारियों पर पॉलिथीन के नाम पर की जा रही छापेमारी व चालान कार्रवाई पर गहरा रोष व्यक्त किया है। एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि यह पूरी कार्रवाई बिना सोच-विचार के की जा रही है, जिसमें सीधे तौर पर दुकानदारों को निशाना बनाया जा रहा है। जब तक बाजार में पॉलिथीन का निर्माण हो रहा है, मैन्युफैक्चरर्स इसे खुलेआम सप्लाई कर रहे हैं, तब तक छोटे व्यापारी कहां से इसका विकल्प लाएंगे? जो माल बाजार में उपलब्ध है वही छोटे दुकानदार मजबूरी में उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का यह रवैया पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। छोटे दुकानदार और रेडी संचालक पहले ही महंगाई, मंदी और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, ऐसे में उन पर जुर्माना ठोकना और चालान करना उनकी रोजी-रोटी पर सीधा प्रहार है। एडवोकेट अंकित गुप्ता ने प्रशासन से मांग की दुकानदारों, रेडी-पटरी संचालकों पर की गई अब तक की कार्रवाई तत्काल प्रभाव से रद्द की जाए। जिन लोगों से जुमार्ना वसूला गया है, वह राशि तुरंत वापस की जाए। प्रशासन अपनी कार्रवाई का केंद्र सिर्फ और सिर्फ उन मैन्युफैक्चरर्स निर्माणकर्ताओं को बनाए जो पॉलिथीन का निर्माण और आपूर्ति कर रहे हैं।

अंकित गुप्ता।

गुरुकुल कुरुक्षेत्र में अन्तरसदनीय अंग्रेजी भाषा वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र में आज अन्तरसदनीय अंग्रेजी भाषा वाद-विवाद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जिसमें कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्गों से मेधावी सदन, प्रगति सदन, तेजस्वी सदन एवं कुशाग्र सदन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों ने निर्णायक मण्डल और श्रोताओं के समक्ष अपनी कुशल बौद्धिक क्षमता, विचारों के साथ हाव-भावों की अभिव्यक्ति, भाषा कौशल का अद्भुत परिचय दिया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता और अंग्रेजी भाषा पर पकड़ को निखारने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग से कुशाग्र सदन ने पहला स्थान, तेजस्वी ने दूसरा स्थान एवं मेधावी सदन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं वरिष्ठ वर्ग से कुशाग्र सदन ने पहला स्थान, तेजस्वी सदन ने दूसरा स्थान वहीं मेधावी सदन ने तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान गुरुकुल कुरुक्षेत्र के निदेशक बिग्रेडियर डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनोभावों को जिस तरह से अभिव्यक्त किया वह एकदम प्रशंसनीय कार्य है।

निरपेक्ष भाव से श्रेष्ठ कर्म करने पर होती है परमात्मा की प्राप्ति : जगदीश तनेजा

पिहोवा। श्रावण की पवित्रता, प्रभात की शीतलता और श्री हरि के नाम की मधुरता – इन तीनों के संगम ने आज श्री कृष्ण कृपा मंदिर परिसर को एक आध्यात्मिक तीर्थस्थल में परिवर्तित कर दिया। यह अवसर था प्रभात फेरी के आयोजन का, जो परम पूज्य गीता मनीषी महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के आशीर्वाद से प्रतिदिन दिव्यता बिखेर रहा है। आज की प्रभात फेरी का आयोजन जगदीश अरोड़ा और नरेश अरोड़ा के सौजन्य से किया गया। जब भोर की पहली किरणें मंदिर की छत से टकराईं, उसी क्षण वैदिक मंत्रोच्चारन और श्री कृष्ण नाम के संकीर्तन ने वातावरण को पवित्र कर दिया। अनेक भजन गायकों ने अपने भजनों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा। प्रभात फेरी के अंत में चेनपाल वत्ता, सतीश गोयल, यशपाल ढींगरा और सोनी चुघ ने आयोजक परिवार को ठाकुर जी की भव्य प्रतिमा भेंट की, जो इस आयोजन की मधुर स्मृति को सदैव के लिए संजोए रखेगी। श्री कृष्ण कृपा गौशाला समिति के प्रधान जगदीश तनेजा ने कहा कि मनुष्य को कभी किसी का बुरा नहीं करना चाहिए बल्कि भटके लोगों को सही रास्ता दिखाकर अच्छे कर्म करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। जो मनुष्य अच्छे कर्म कर परमात्मा का सिमरन करता है, उसे हर काम में सफलता स्वयं ही मिल जाती है और मन व बुद्धि हमेशा शांत रहते हैं। उन्होंने कहा कि कठिन से कठिन कार्य ईमानदारी से जब किया जाए तो वह भगवान के आशीर्वाद से सरल बन जाता है। निरपेक्ष भाव से श्रेष्ठ कर्म करने पर परमात्मा की प्राप्ति होती है।

कार्यक्रम कला कीर्ति भवन में दम मस्त कबीरा स्वांग का सफल मंचन, कलाकारों ने लूटी वाहवाही

संगीतमय स्वांग दम मस्त कबीरा ने जीता दिल सतीश कश्यप की प्रस्तुति के दिवाने हुए दर्शक

दो घंटे तक कलाकारों ने कबीर के जीवन के हर रंग से मिलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा कला परिषद द्वारा प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाली साप्ताहिक संध्या में शुक्रवार को डा. सतीश कश्यप के निर्देशन में हरियाणवी लोकनाट्य स्वांग दम मस्त कबीरा का मंचन किया गया। अपनी एक अलग शैली में प्रस्तुत स्वांग ने दो घण्टे तक कलाकारों को कबीर के जीवन के हर रंग से मिलाया। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी बृज शर्मा बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे। हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल गुगलानी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर मुख्यअतिथि बृज शर्मा का अभिनंदन किया। इस अवसर पर शिवकुमार किरमिच, दीपक शर्मा, रमेश सुखीजा आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। मंच का संचालन विकास शर्मा ने किया। कबीर की वाणी से प्रारम्भ हुए स्वांग दम मस्त कबीरा में हिसार से आए डा. सतीश कश्यप और उनकी टीम ने भक्ति रस की ऐसी गंगा बहाई कि हर कोई उसमें गोते लगाता नजर आया। संवाद, संगीत, अभिनय और रोचकता का ऐसा अनूठा संगम देखने को मिला कि सभागार में उपस्थित एक भी दर्शक स्वयं को कबीर से जोड़े बिना नहीं रह पाया। स्वांग में कबीर के जन्म से कहानी को प्रारम्भ किया गया। जिसमें सुनाया कि कबीर का जन्म एक हिंदु परिवार में हुआ लेकिन उसका पालन-पोषण एक मुस्लिम परिवार द्वारा किया गया। कबीर के बड़े होते ही कबीर को हिंदु और मुस्लिम दोनों समुदायों की प्रताड़ना सहनी पड़ी। धीरे-धीरे कबीर अध्यात्म की ओर बढ़ गया। कबीर जब गुरु रामानंद की शरण में आए तो उनका व्यक्तित्व भी दिव्य हो गया। सुल्तान ने भी कबीर को यमुना में डूबोने का हुक्म दे दिया। लेकिन कबीर के ईश्वर प्रेम और प्रभू में आस्था होने के कारण सुल्तान के सैनिक कबीर का कुछ न बिगाड़ सके। इससें सुल्तान की भी कबीर के प्रति आस्था बढ़ गई। लेकिन कबीर की मुश्किलें समाप्त नहीं हुई। कबीर के विरोधी कबीर के जीवन को समाप्त करने के लिए हर सम्भव प्रयास करते रहे। केवल प्रभू का सिमरन करने से ही कबीर लोगों की मुसीबतें हल करने लगे। जिससे उनके आस-पास के लोगों को कबीर से ईर्ष्या होने लगी और उन्होंने सुल्तान लोधी के आगे कबीर को दण्डित करने की गुहार लगाई। अंत में रंगकर्मी बृज शर्मा ने कलाकारों की खुले दिल से प्रशंसा की।

कुरुक्षेत्र। प्रस्तुति देते कलाकार।

डा. कश्यप की अदायगी ने लोगों को लुभाया

अंत में कबीर ने जब जीवन को त्यागा तो उनके अनुयायियों ने उनके मृत शरीर के स्थान पर पुष्प पाए, जिससे कबीर सदा-सदा के लिए अमर हो गया। इस प्रकार कबीर के जीवन को डा. सतीश कश्यप ने अपनी गायकी और संवाद अदायगी के साथ लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। गम्भीरता और विनोद के मिले-जुले संगम ने कहानी को और रोचक बनाए रखा। जहां एक ओर डा. सतीश कश्यप की अदायगी लोगों को लुभाने का कार्य कर रही थी, वहीं दूसरी स्वांग में वाद्ययंत्रों तथा गायकी से संगत दे रहे कलाकारों ने भी दम मस्त कबीरा को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया।

खबर संक्षेप

गर्भवती किशोरी को गर्भपात की मंजूरी

अंबाला। महेश नगर थाना क्षेत्र में दुष्कर्म का शिकार हुई किशोरी को गर्भ गिराने की अदालत से अनुमति मिल गई है। पांच माह की गर्भवती किशोरी को महिला विशेषज्ञ सहित अन्य डॉक्टरों की निगरानी में नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। यहां उसका गर्भपात किया जाएगा। पीड़िता की उम्र कम होने के कारण बेहद सावधानी बरती जा रही है। महेश नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जितेंद्र ढिल्लो ने बताया कि गर्भपात की कोर्ट से अनुमति मिल गई है।

तोलाई में गड़बड़ी पर कोर्ट जाने की तैयारी में किसान

अंबाला। अनाज मंडी में धान और सूरजमुखी की फसलों की तोलाई व बिक्री में गड़बड़ी के विरोध में किसान नेताओं ने अब अदालत जाने की तैयारी कर ली है। किसानों ने कहा कि हाल ही में हुए सूरजमुखी के मामले में अगर सरकार ने कोई सख्त कदम नहीं उठाया तो किसान यूनियन अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। इस मामले में जिला प्रशासन को पार्टी बनाया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के प्रधान गुरमीत सिंह माजरी ने कहा कि अगर सरकार ने इस मामले में उचित कदम नहीं उठाया तो इसका सीधा मतलब यह होता है कि सरकार भी अधिकारियों व आढ़तियों के साथ मिलकर किसानों के साथ धोखा कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर लाखों की ठगी

अंबाला। बेटी को ऑस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर किसान से इमीग्रेशन सेंटर संचालक ने साढ़े 12 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में पुलिस ने कंपनी के एमडी समेत छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले में शिकायतकर्ता अमीपुर गांव के मंजीत कुमार ने बताया कि वह खेती करते हैं।

देवी देवताओं की तस्वीरों पर जताया ऐतराज

अंबाला। पुरानी अनाज मंडी में बीड़ी के पैकेट और अन्य उत्पादों की पैकेजिंग पर हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें छापे जाने को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल ने कड़ा एतराज जताया है। संगठन का कहना है कि यह सीधे तौर पर हिंदू आस्था का अपमान है और इससे करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की भावनाएं आहत हुई हैं। इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल की जिला टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकानदारों और उत्पाद वितरकों को घेरा और मौके पर पुलिस को भी बुला लिया।

मेडिएशन फॉर दि नेशन की शुरुआत

अंबाला। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवीण ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक विवाद निवारण प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष जन जागरूकता अभियान मेडिएशन फॉरथेनेशन की शुरुआत की गई है। यह अभियान देश के न्यायिक तंत्र पर बढ़ते बोझ को कम करने और जनता को त्वरित, सरल, सुलभ तथा सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराने के लिए मध्यस्थता (मेडिएशन) को महत्व को रेखांकित करता है।

पूर्व विधायक बोले-हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता

गांव खानपुर राजपुतान में खत्म होगी पेयजल समस्या, ट्यूबवेल का उद्घाटन

ट्यूबवेल ग्रामीणों को स्वच्छ व सुचारु जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

नारायणगढ़। नए ट्यूबवेल का उद्घाटन करते पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गांव खानपुर राजपुतान में भाजपा नेता व पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने पब्लिक हेल्थ ट्यूबवेल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ भेंट उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। यहां डॉ. पवन सैनी ने कहा कि गांव के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह ट्यूबवेल ग्रामीणों को स्वच्छ व सुचारु जल आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। सैनी ने कहा कि इस ट्यूबवेल के चालू होने से पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। यह परियोजना सरकार की उस नीति का हिस्सा है। इसके तहत गांवों में नागरिकों को बुनियादी आवश्यकताएं जैसे जल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क व स्वच्छता की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के कुशल नेतृत्व में राज्य तेजी से प्रगति की ओर अग्रसर है। वर्तमान सरकार शहरों के साथ साथ गांव-गांव में विकास की गंगा बहा रही है और सभी क्षेत्रों में समान रूप से कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में पारदर्शी और जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं। सरकारी संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचे। ग्रामवासियों से संवाद करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि वे खुद प्रत्येक विकास कार्य की निगरानी करते हैं ताकि गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन हो। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि आने वाले समय में गांव खानपुर राजपुतान को हर आवश्यक सुविधा से युक्त किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पवन सैनी ने ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि उनका सहयोग, स्नेह और आशीर्वाद ही उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है ओर वे आगे भी क्षेत्र की सेवा में समर्पित रहेंगे।

विकास में भागीदार बनें और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़े

उन्होंने बताया कि सरकार की सोच और योजना ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास की है। इस सोच के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, युवाओं के लिए रोजगार, महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे विकास में भागीदार बनें और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ें। सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाकर युवा अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत और अन्य विभागीय अधिकारियों की सराहना की जिन्होंने ट्यूबवेल की स्थापना में सहयोग दिया। सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति /"सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास/" पर आधारित है। यही कारण है कि समाज के हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, मजदूर, व्यापारी, महिला, युवा या बुजुर्ग सभी के लिए विशेष योजनाएं लागू की गई हैं।

घिच पिच फिल्म एक अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़

- टेक-उद्यमी से फिल्म निर्माता बने अंकुर सिंगला की पहली फीचर फिल्म, 'घिच पिच', सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शानदार विश्व प्रीमियर के बाद, इस 1 अगस्त को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

इस साल की शुरुआत में प्रतिष्ठित सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शानदार विश्व प्रीमियर और 9.7 की असाधारण IMDB रेटिंग के बाद, 'घिच पिच', एक रोमांचक नई युवावस्था पर आधारित ड्रामा, 1 अगस्त, 2025 को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है—भारी जनता की मांग पर। 1990 के दशक के उत्तरार्ध के चंडीगढ़ में स्थापित, "घिच पिच" तीन किशोर लड़कों की मार्मिक कहानी है जो बड़े होने, दोस्ती, विद्रोह और अपने पिता के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के जटिल भावनात्मक दौर से गुज़रते हैं। समृद्ध परिवेश और पुरानी यादों से सराबोर, यह फिल्म एक ऐसे शहर और एक पीढ़ी को जीवंत रूप से दर्शाती है जो पहचान, अपेक्षाओं और दबी हुई भावनाओं से जूझ रही है।

एक तकनीकी दूरदर्शी से फिल्म निर्माता: यह फिल्म अंकुर सिंगला के निर्देशन और लेखन की शुरुआत है, जो एक पूर्व वकील और तकनीकी उद्यमी हैं, जिन्होंने दिल्ली स्थित एक स्वतंत्र प्रोडक्शन हाउस, बरसाती फिल्म्स की स्थापना करने से पहले, अपनी सफल सिकोइया-समर्थित स्टार्टअप कंपनी अमेजन को बेच दी थी। "घिच पिच, चंडीगढ़ और उन लड़कों के लिए मेरा प्रेम पत्र है जिनके साथ मैं बड़ा हुआ हूँ। यह मेरी अपनी यादों, उस दौर के पालन-पोषण के तरीकों और किशोर लड़कों के मन में आने वाली भावनात्मक उथल-पुथल से प्रेरित है।

135 विद्यार्थियों की आंखें जांची

- सत्रह विद्यार्थियों को चश्में लगाने का दिया सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। स्कूली छात्रों की आंखों की जांच करते हुए विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

सर्वहित स्वास्थ्य समिति द्वारा गांव सौंडा के जगत पब्लिश स्कूल में स्कूली छात्रों तथा उनके अविभावकों की आंखों की जांच की गई। अंबाला शहर के संजीवनी आई एंड मेडिकेयर सेंटर की तकनीकी टीम द्वारा 135 स्कूली छात्रों का साथ साथ उनके अविभावकों की आंखों की जांच की। इस दोरान सोनू,नीतू द्वारा करके उन्हें मुफ्त दवाईयां वितरित की गई। जांच के दौरान 17 बच्चों में दृष्टि दोष पाए जाने पर उन्हें चश्मे लगवाने का सुझाव दिया गया। 4 केस मोतियाबिंद का पाए गए जिनकी सर्जरी संजीवनी आई एंड मेडिकेयर सेंटर में की जाएगी। स्कूल के प्रिंसिपल त्रिलोचन ढींडसा उनके स्टाफ गीता रानी,मेघा, रिचू,हरविंदर,रमनदीप,ममता,अनीता आशा,पूनम, कुश,सेवादार ने कैंप में सहयोग दिया उन्हें प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सोसायटी की ओर से प्रधान योगेश शर्मा, महासचिव अमरनाथ कश्यप,ओमप्रकाश,पूजा कपूर भी मौजूद रही।

डीएवी कॉलेज में 200 पौधों का किया रोपण

- सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. चांद बोले जीवन में हर व्यक्ति करें पौधारोपण, पर्यावरण को बचाना बेहद जरुरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। डीएवी कॉलेज में पौधारोपण करते सॉयल केयर सोसायटी के पदाधिकारी।

अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज के प्रांगण में सॉयल केयर सोसायटी द्वारा पौधारोपण किया गया। सबसे पहले सोसाइटी के प्रधान डॉ. चांद सिंह ने वन विभाग के जिला वन अधिकारी राजेश माथुर का आभार व्यक्त किया जिन्होंने सोसायटी की प्रार्थना पर 200 पौधे उपलब्ध करवाए। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर राजीव महाजन ने पौधारोपण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने कहा सॉयल केयर सोसायटी के साथ कॉलेज ने मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग साइन किया हुआ है। उसी कड़ी में कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ है। सोसायटी के उपप्रधान डॉ. सुभाष चंद्र शर्मा ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। सोसायटी के वित्त सचिव डॉ. जसमेर सिंह ने अपना जन्म दिन पौधा लगा कर मनाया। डॉ. जसमेर ने कहा कि हर व्यक्ति को जीवन में कम से कम एक पौधा लगाना चाहिए ताकि अपने हिस्से की आक्सीजन का इंतजाम स्वयं करें।

ये रहे मौजूद

सोसायटी के सदस्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि कुछ वर्षों से विश्व में पर्यावरण परिवर्तन के परिणाम हमें दिखाई देने लगे हैं जो की मानव सभ्यता के लिए बहुत ही चिंताजनक हैं। यदि अब भी हम पर्यावरण को लेकर सचेत नहीं होते हैं तो यह रवैया मानव जाति व अन्य जीवों के लिए विनाशकारी सिद्ध होगा। अतः इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए सॉयल केयर सोसायटी की ओर से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर (डॉ) नरेंद्र कौशिक, डॉ. अतिमुक्त जैन, रविंद्र कुमार, प्रोमिला व दीक्षा ने भाग लिया।

ब्लू डे पर नन्हे छात्रों ने मचाया धमाल

- पुलिस डीएवी स्कूल में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम के दौरान डांस करते नन्हे छात्र। फोटो: हरिभूमि

अंबाला शहर स्थित पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में ब्लू डे धूमधाम से मनाया गया। सभी बच्चें ब्लू ड्रेस पहन कर आए थे। इस ड्रेस वे बहुत ही सुंदर लग रहे थे। इस अवसर पर बच्चे ब्लू कलर के अलग-अलग ऑब्जेक्ट बना कर लाए जिसमें डॉलफिन फिश ,काइट, बैलून, बटरफ्लाई, वेल, बोट,बादल ,रेन ड्रॉप प्रमुख थे । इस दौरान छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। इस अवसर पर नर्सरी क्लास के बच्चों ने बहुत सुंदर डांस की प्रस्तुति दी। कुछ बच्चों ने कविता के माध्यम से ब्लू ऑब्जेक्ट्स को दर्शाया । एलकेजी के बच्चों ने वाटरसाइकिल के विषय में डांस के माध्यम से बताया कि कैसे पानी भांप बनता है उन्होंने डांस के माध्यम से बताया बारिश कैसे होती है । यूकेजी के बच्चों ने अलग-अलग सोंग्स पर नृत्य करके सब का मनमोह लिया बच्चों ने इस कार्यक्रम को बहुत एंजॉय किया। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विकास कोहली ने बच्चों द्वारा बनाए ब्लू कलर के ऑब्जेक्ट और उनके द्वारा प्रस्तुत डांस और कविता की सरहाना की और बच्चे हमेशा ऐसे ही हंसते खिलखिलाते रहें।

पौधरोपण अभियान चलाया

- अकादमी में छात्रों ने लगाए 200 से ज्यादा पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। पौधे के साथ स्कूली बच्चे।

अकाल अकादमी होली में शनिवार को 'गो ग्रीन क्लब' के तत्वावधान में एक सफल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में विद्यालय की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जागरूकता व जिम्मेदारी को दर्शाया। इस अवसर पर आयोजित एक सभा में स्कूल के शिक्षकों ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष न केवल जलवायु परिवर्तन से लड़ने में सहायक होते हैं बल्कि वे प्रदूषण को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और वातावरण को शुद्ध बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस अभियान के तहत विद्यालय परिसर में 200 से अधिक पौधे रोपे गए। इससे न केवल वातावरण और अधिक हरा-भरा बना, बल्कि विद्यार्थियों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी का व्यावहारिक अनुभव भी मिला। इस पहल ने छात्रों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए उन्हें अपनी धरती को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस अभियान को विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद अनुभव बताया। कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना बचपन से ही विकसित होती है। कार्यक्रम की सभी ने सराहना की और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रखने की बात कही।

औद्योगिक क्षेत्र में अब नहीं होगा जलभराव, ओमला नदी से जोड़ी गई दो किलोमीटर लंबी पाइपलाइन

इस योजना पर अठारह करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- पिछले बरसाती सीजन में औद्योगिक क्षेत्र के कारोबारियों को हुआ था भारी नुकसान, बाढ़ के पानी से मचाई थी तबाही

अंबाला छावनी के औद्योगिक क्षेत्र में अब जलभराव नहीं रहेगा। साथ ही कारोबारियों को न ही बाढ़ का खौफ सताएगा। नगर परिषद ने औद्योगिक क्षेत्र से एक पाइप लाइन सीधा ओमला नदी से जोड़ दी है। यह खुड्डा खुर्द में निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से भी जोड़ी गई है। इस योजना पर 18 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस सुविधा के तहत अगर औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव होता है तो पंप सेट की मदद से पानी को ओमला नदी की तरफ जाने वाली पाइप लाइन तक पहुंचाया जा सकेगा। दरअसल औद्योगिक क्षेत्र को पानी की मार से बचाने के लिए लगभग दो किमी लंबी पाइप लाइन डाली गई है। इसका एक हिस्सा औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ा गया है ताकि पानी की निकासी तुरंत हो सके। इस कार्य के लिए विशेष मशीन की मदद ली गई थी जोकि भूमिगत पाइप डालने में सक्षम है। इस सुविधा का सीधा फायदा औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों सहित स्थानीय लोगों को मिलेगा। यह भी बता दें कि खुड्डा खुर्द में 18 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। इसके तहत ही पानी की निकासी का प्रबंध किया गया है। साथ ही पाइप लाइन डाली गई है। इसके अलावा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के तैयार होने से भी पानी की निकासी में काफी राहत मिलेगी। इस कार्य को पूरा होने में छह माह का समय लगेगा। इस सुविधा से लगभग 25 से 30 हजार आबादी को फायदा होगा।

स्कूल प्रबंधन को दिए जरुरी निर्देश

मिड-डे मील का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

- तिथि भोजन के तहत सुभरी, थंबड़ के स्कूल के बच्चों ने लिया विशेष व्यंजन का स्वाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। स्कूल में मिड डे मील लेते हुए स्कूली छात्र। फोटो: हरिभूमि

सरकारी स्कूलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के प्रयासों के तहत शनिवार को वीटा मिल्क प्लांट द्वारा शुष्क फ्लेवर्ड दूध की स्कूलों में आपूर्ति की गई। इस अवसर पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा ने राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला पुलिस लाइंस अंबाला सिटी का दौरा कर दूध वितरण की प्रक्रिया व मिड डे मील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीईईओ सुधीर कालड़ा ने वीटा दूध के पैकेट्स की विनिर्माण तिथि (15 जुलाई 2025) और समाप्ति तिथि (14 जनवरी 2026) की जांच की। विद्यालय में दूध एवं राशन भंडारण कक्ष का भी निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते दूध और राशन का सुरक्षित एवं स्वच्छ भंडारण सुनिश्चित किया जाए ताकि नमी और सीलन से बचाव हो सके तथा बच्चों को लगातार पोषणयुक्त और सुरक्षित मिड डे मील मिलता रहे। इसके अतिरिक्त उन्होंने तिथि विशेष भोजन के तहत राजकीय वमावि थंबड़, राजकीय उच्च विद्यालय सुभरी व राजकीय प्राथमिक पाठशाला बडिंगा का दौरा कर विद्यार्थियों को परोसे गए स्पेशल मील की गुणवत्ता का जायजा लिया।

गुणवत्ता के साथ लागू किया जा रहा

उन्होंने इन विद्यालयों में विशेष मिड डे मील तैयार करने और वितरण में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे स्टाफ सदस्यों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों की सराहना की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए मिड डे मील योजना बेहद अहम है और इस योजना को पूरी पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास सुचारु रूप से होता रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 20 जुलाई 2025

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कभी-कभी बन जाएं बच्चे
जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

क्या आप भी करते रहते हैं
हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

दूसरों पर ध्यान न लगाएं: हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

धैर्य बनाए रखें: यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

भाग्य को न कोसें: मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परफेक्शन की जिद छोड़ें: कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

टू द पॉइंट सोचें: आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

अनुभवी लोगों से मिलें: विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

मन को थकाने से बचें: आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

समय पर छोड़ दें: अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन
मोनिका शर्मा

स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ: बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

सेटिंग्स का खास असर: फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव: इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है केताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

सोना और चोर

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, मूल्य: 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

महादेव शिव की दिव्य-भव्य प्रतिमाएं

आस्था / शिखर चंद जैन

महादेव शिव को समर्पित सावन के विशेष महीने में भक्तगण भगवान शिव से जुड़े तीर्थ-स्थलों की यात्रा करते हैं। इस अवसर पर हम आपको अपने देश के विभिन्न स्थानों में स्थित भगवान शिव की कुछ दिव्य और भव्य प्रतिमाओं के बारे में बता रहे हैं। इनके दर्शन मात्र से विलक्षण शांति प्राप्त होती है।

मुरुदेश्वर महादेव कर्नाटक

कर्नाटक के उत्तरी हिस्से के भटकल तहसील में स्थित है मुरुदेश्वर महादेव मंदिर। 'मुरुदेश्वर' भगवान शिव का ही एक नाम है। यहां महादेव की जो मूर्ति स्थापित की गई है, वह देश-दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिव प्रतिमा है। यह प्रतिमा 123 फीट ऊंची है। इसे बनाने में 2 साल का वक्त लगा। मुरुदेश्वर मंदिर अरब सागर के तट पर स्थित है। यह तीन ओर से अरब सागर से घिरा हुआ है। यह स्थल मंगलौर से 165 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां साल भर भक्तों और पर्यटकों का आगमन होता रहता है। *

आदियोगी शिव, कोयंबटूर

भगवान शिव के मुख की दुनिया में सबसे बड़ी प्रतिमा है आदियोगी शिव प्रतिमा। कोयंबटूर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित यह शिव प्रतिमा 112 फीट ऊंची है। इसका वजन 500 टन है। इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। इस प्रतिमा को बनाने में सीमेंट, कंक्रीट, बालू आदि किसी भी वस्तु का इस्तेमाल नहीं किया गया है बल्कि इसे धातु के टुकड़ों से बनाया गया है। इसके निर्माण में ढाई साल लगे। इस मंदिर के निर्माण से संबद्ध संस्था ईशा फाउंडेशन के अनुसार आदियोगी शिव का यह चेहरा मुक्ति का प्रतीक है। यह शिव प्रतिमा योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। *

सर्वेश्वर महादेव, वडोदरा

गुजरात के वडोदरा शहर के मध्य में स्थित है सूरसागर झील और इस झील के बीचों-बीच विराजमान हैं सर्वेश्वर महादेव। 78 फीट गहरे 23 खंभों पर टिकी सर्वेश्वर महादेव की यह मूर्ति 120 फीट ऊंची है। इसके निर्माण में 6 वर्ष लगे थे। यह स्थान अहमदाबाद से 112 किलोमीटर दूर है। शिव भक्तों के लिए यह मंदिर आस्था का केंद्र तो है ही, अन्य धर्मावलंबियों एवं पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर के आस-पास भी बहुत कुछ दर्शनीय है। *

सिद्धेश्वर महादेव, सिक्किम

सिक्किम के सोलोफोक पहाड़ी पर सिद्धेश्वर महादेव यानी भगवान शिव की बैठी हुई मुद्रा में लगभग 87 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। आधार से इसकी ऊंचाई 108 फीट है। सिक्किम के लोग इसे नामची महादेव और भगवान किरतेश्वर के नाम से भी पूजते हैं। सफेद रंग की यह मूर्ति आस्थावान शिव भक्तों के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकृष्ट करती है। यहां भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ चार धामों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां भी स्थापित हैं। *

हर की पैड़ी के शिव, हरिद्वार

हरिद्वार में हर की पैड़ी मंदिर बेहद लोकप्रिय श्रद्धा का केंद्र है। इसके ठीक सामने मौजूद है स्वामी विवेकानंद पार्क जहां भगवान शिव की 100 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान है। यहां देर शाम तक ठहर कर आप महादेव शिव के दर्शन के साथ-साथ गंगा आरती का भव्य नजारा भी देख सकते हैं। *

बेंगलुरु शिवोहम शिव मंदिर

ये शिव प्रतिमाएं भी हैं भव्य

यहां वर्णित भगवान शिव की विशाल एवं दिव्य प्रतिमाओं के साथ-साथ देश में कई अन्य स्थानों पर भी शिव के विशाल स्वरूप के दर्शन होते हैं।

- जबलपुर (मध्य प्रदेश) के कछार शहर में 76 फीट लंबी शिव प्रतिमा मौजूद है। इसके चारों तरफ 12 ज्योतिर्लिंग भी विराजित किए गए हैं।
- बेंगलुरु में शिवोहम शिव मंदिर में मौजूद शिव प्रतिमा 65.6 फीट ऊंची है। यहां पृष्ठभूमि में हिमालय की प्रतिकृति बनाई गई है।
- गुजरात के द्वारका में मौजूद है नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर। यहां विराजित शिव प्रतिमा 82 फीट ऊंची है।

गुजरात नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

सेल्फ इंप्रूवमेंट / जोगिंदर रोहिल्ला

सफलता के लिए सीखनी होगी समय प्रबंधन की कला

समय की कद्र करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है। पैसा, शोहरत, संबंध, सब कुछ दोबारा पाया जा सकता है, लेकिन एक बार गया हुआ समय फिर नहीं आता। इसलिए अगर सफल होना चाहते हैं, तो समय प्रबंधन की कला सीखनी ही होगी।

भारत के प्रसिद्ध महान आचार्य चाणक्य ने कहा था, 'पैसा दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन गया हुआ समय कभी वापस नहीं आता।'

सच है, हम सभी के पास दिन में 24 घंटे होते हैं। किसी के पास न ज्यादा, न कम। इसके बावजूद कुछ लोग हर दिन नई ऊंचाइयों को छूते हैं, जबकि बहुत सारे लोग समय की कमी की शिकायत करते रहते हैं। इसका कारण सीधा और सपष्ट है- सफल लोग समय को सिर्फ बिताते नहीं, वे अच्छे से समय को मैनेज करते हैं। हालांकि आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग सबसे ज्यादा जिस चीज की कमी महसूस करते हैं, वह है- समय। घर-ऑफिस का वर्क प्रेशर, सोशल मीडिया, परिवार की जिम्मेदारियों में उलझकर लोग यही कहते हैं, क्या करें समय ही नहीं मिलता। पर सच यह है कि समय मिलता नहीं, समय मैनेज करना होता है। इसीलिए ब्रायन ट्रेसी ने कहा है, 'जो लोग अपने समय को नियंत्रित नहीं करते, वे अपने जीवन को नियंत्रित नहीं कर सकते।'

सक्सेसफुल टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर के सफल बनने के पीछे केवल उनकी प्रतिभा ही नहीं, बल्कि उनका अनुशासित समय प्रबंधन भी था। उन्होंने अपनी ट्रेनिंग, रिकवरी और निजी जीवन-तीनों को संतुलन के साथ समयबद्ध किया, जिससे उनका प्रदर्शन लगातार ऊंचाइयों पर बना रहा।

समय प्रबंधन क्यों है जरूरी: हमें समझना होगा कि समय सीमित है। औसतन इंसान के पास सिर्फ 4000 हफ्ते होते हैं। घर-बाहर के काम कभी खत्म नहीं होते, इसलिए यह तय करना जरूरी है कि किस काम को पहले करना है और किसे बाद में?

आपको समझना होगा कि संतुलित जीवन में करियर, स्वास्थ्य, रिश्ते, खुशी सभी के लिए समय चाहिए होता है। जब हर चीज की प्लानिंग होती है तो इससे तनाव कम होता है, मन शांत रहता है।

समय प्रबंधन के तरीके: समय प्रबंधन करना बहुत कठिन नहीं होता है, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

प्राथमिकता तय करें: जो काम जरूरी है, वही पहले करें। अर्जेंट और इंपॉर्टेंट का अंतर समझें। इसी तरह यह भी बहुत जरूरी है कि अनावश्यक कामों को मना करना सीखें। ऐसे काम करने में अपना टाइम वेस्ट ना करें।

प्लानिंग करें: काम शुरू करने के पहले से ही आपका हर महीना, हफ्ता और हर दिन प्लान होना चाहिए। अगर ये बहुत ज्यादा लगता है तो हर हफ्ते और हर दिन की प्लानिंग से शुरू कीजिए। अपने कार्यों को एक निश्चित समय और क्रम में इस तरह से प्लान कीजिए कि हर जरूरी काम समय पर, सही ध्यान और ऊर्जा के साथ पूरा किया जा सके। याद रखिए कि आपको प्लानिंग में जिंदगी के हर पहलू का ध्यान रखना है। जैसे- करियर, हेल्थ, परिवार, हॉबी।

इवेल्यूएशन करें: हर वीक के अंत में अपना इवेल्यूएशन खुद करें। स्वयं से पूछें कि इस हफ्ते मेरी उपलब्धियां कैसी रहीं? क्या मैं अपने समय का सदुपयोग कर पाया? क्या इसमें और सुधार की जरूरत है? इन सब प्रश्नों के उत्तर आपको हर हफ्ते अपने टाइम मैनेजमेंट को इंप्रूव करने में मदद करेंगे।

ना करें टाइम वेस्ट: आज के समय में सोशल मीडिया लोगों का समय वेस्ट करने वाला सबसे बड़ा जरिया बन गया है। हम अनजाने में दिन के कई घंटे इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यू ट्यूब या फेसबुक पर बिता देते हैं। जरूरी है कि हम इन चीजों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखें। आप खुद तय कर सकते हैं कि दिन में कितना समय इनको देना है। यह समझना जरूरी है कि हर काम के लिए 'हां' कहना जिम्मेदारी नहीं, कमजोरी बन सकता है। जब जरूरत हो, तो 'ना' कहना सीखें, ताकि आप अपने समय और ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। *

यादें

अशोक वाधवाणी

हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर से ही रोमांटिक दृश्यों को प्रभावी बनाने के लिए सावन और बारिश के माहौल का इस्तेमाल किया जाता रहा है। ऐसे ही एक यादगार गीत 'रिमझिम गिरे सावन' से कुछ दिलचस्प बातें जुड़ी हुई हैं।

कुछ इस तरह फिल्माया गया था पॉपुलर गाना रिमझिम गिरे सावन...

सावन और बरसात का हिंदी फिल्मों से पुराना कनेक्शन रहा है। बीते दौर की ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों से लेकर आज तक हिंदी फिल्मों में बरसात में भीगते हुए नायक-नायिका पर रोमांटिक गाने फिल्माने की परंपरा चल रही है। इस तरह के प्रयोग अकसर ही फिल्म और गाने को हिट कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बारिश में फिल्माए गए कई गाने इतने लोकप्रिय हुए हैं कि आज भी बारिश के मौसम में भीगने पर आम लोगों को भी उनकी पंक्तियां याद आ ही जाती हैं। ऐसे ही यादगार गानों की कड़ी में शामिल है वर्ष 1979 में रिलीज हुई फिल्म 'मंजिल' के का वो सुपरहिट गीत 'रिमझिम गिरे सावन...', जिसे फिल्माया गया था अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर। देखा जाए तो इस गाने की लोकप्रियता में बरसात ने उत्प्रेरक का काम किया। बासु चटर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म 'मंजिल' मृणाल सेन द्वारा निर्देशित बांग्ला फिल्म 'आकाश कुसुम' (1965) का रीमेक है। इस फिल्म की कहानी को दर्शकों, समीक्षकों की समान रूप से सराहना मिली थी।

बैकग्राउंड में बजता है गाना: फिल्म 'मंजिल' के इस लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'रिमझिन गिरे सावन, सुलग-सुलग जाए मन...' को लिखा था योगेश ने और इसका सुरीला संगीत दिया था आर.डी. बर्मन ने। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने आवाज दी है, तो भी यह युगल गीत नहीं है। ये गाना अमिताभ बच्चन और मौसमी चटर्जी पर बारिश में भीगते हुए फिल्माया गया है। लेकिन पर्दे पर इन दोनों कलाकारों को यह गाना गाते हुए नहीं

दिखाया गया है। पूरे सीक्वेंस के दौरान केवल बैकग्राउंड में बजता रहता है- रिमझिम गिरे सावन...।

असली बारिश में फिल्माया गया: इस लोकप्रिय गीत के साथ एक दिलचस्प बात यह भी जुड़ी है कि इसको मुंबई की असली बारिश में अलग-अलग लोकेशंस पर तीन दिनों तक पिक्चराइज किया गया था। मुंबई के मरीन ड्राइव, गिरगांव चौपाटी, फोर्ट, गेट वे ऑफ इंडिया, ओवल मैदान, हुतात्मा चौक आदि दक्षिण मुंबई के दर्शनीय स्थानों पर इसे शूट किया गया। अमिताभ और मौसमी ने भी इस गाने में स्वाभाविकता लाने की कोशिश की, जिसमें दोनों सफल भी हुए। सूट, टाई पहने अमिताभ और सीधी-सादी साड़ी पहने मौसमी बिना छाते के बारिश में भीगते, अठखेलियां करते हुए टहलते दिखते हैं। बारिश से बचने के लिए इनके पास कोई छाता या रेन कोट नहीं होता है। वहीं हाथों में छाता थामे हुए लोगों का हुजूम, इन्हें भीगते हुए देखता है।

गाने का हर दृश्य है कमाल: इस गाने में बेहद सादगीपूर्ण ढंग से बारिश की मस्ती और प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। हाथों में हाथ डाले प्रेमियों की भांति अमिताभ-मौसमी का भीगना बहुत अच्छा लगता है। समंदर किनारे बनी दीवार पर अमिताभ का हाथ पकड़े हुए मौसमी का चलना-फिरना, अमिताभ का दोनों हाथों से पकड़ कर मौसमी को नीचे उतारना, चेहरे पर जमी बारिश की बूंदों को मौसमी द्वारा अपनी साड़ी के पल्लू से पोंछना, ये सारे दृश्य सुंदर, स्वाभाविक और कमाल बन पड़े हैं।

पूरे गाने में दोनों कलाकारों का उत्साह देखते ही बनता है। बालमन जिस तरह बिंदासपन के साथ बारिश में उछलता-कूदता है, बिल्कुल वही उमंग, उत्साह, उल्लास, ऊर्जा दिखती है दोनों में। गोथिक शैली की ब्रिटिशकालीन बड़ी-बड़ी इमारतों के सामने, नारियल के पेड़ों के पास खुले मैदान के गड्ढों में भरे पानी को पूरे जोश-जुनून के साथ पैरों से छपाक मारना, अमिताभ-मौसमी का मासूम अल्हड़पन, ...गाने का एक-एक फ्रेम, एक-एक दृश्य बेहद खूबसूरत बन पड़ा है। *

आकाशवाणी सार्वजनिक क्षेत्र की रेडियो प्रसारण सेवा है, जो लगभग एक सदी से ज्ञान, सूचना और मनोरंजन का साधन बना हुआ है। आगामी 23 जुलाई को आकाशवाणी के स्थापना दिवस पर इसकी अब तक की यात्रा पर एक नजर।

अतीत से अब तक बरकरार आकाशवाणी की महत्ता

जानकारी

पूनम पांडे

आज आभासी दुनिया और तकनीक से सब कुछ जान लेने वाली पीढ़ी को अगर साढ़े चार दशक पहले के भारत की यह खास बात बताई जाए कि आकाशवाणी जीवन का एक अटूट हिस्सा हुआ करता था तो शायद वो एकदम से यकीन न करे। पर यही तब के समय का सच था।

आकाशवाणी की शुरुआत

आकाशवाणी की स्थापना 23 जुलाई 1927 को की गई थी। उस समय इस सेवा का नाम भारतीय प्रसारण सेवा (इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) रखा गया था। तब देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत मुंबई और कोलकाता में दो निजी ट्रांसमीटरों से की गई थी। 1930 में इसका राष्ट्रीयकरण हुआ। 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो रखा गया और 1957 में इसे आकाशवाणी नाम दिया गया।

जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

उस दौर में भारत में साक्षरता दर बहुत कम थी। वे दुनिया की दौड़ में बहुत पीछे थे। आकाशवाणी के माध्यम से बड़े ही सरल ढंग से आम बोल-चाल की भाषा में विभिन्न प्रकार की जानकारियां आम लोगों तक उपलब्ध कराई जाती थी। दूर-दराज के ग्रामीण इलाके में लोगों से जुड़कर और उनको जागरूक करने में रेडियो पर प्रसारित होने वाले आकाशवाणी के कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारत के राष्ट्रीय प्रसारक के रूप में, ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) यानी आकाशवाणी आज भी जनता को मनोरंजन, सूचना एवं ज्ञानपरक सेवाएं दे रहा है। आकाशवाणी शुरुआत से ही अपने आदर्श वाक्य 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' का अनुसरण कर रहा है।

आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क

अपनी स्थापना के बाद से धीरे-धीरे आकाशवाणी के नेटवर्क का विस्तार होता गया। आज आकाशवाणी का तेइस भाषाओं और एक सौ छियालीस बोलियों में प्रसारण होता है। आकाशवाणी का व्यापक नेटवर्क देश की लगभग पूरी आबादी एवं क्षेत्र को कवर करता है।

हर तरह का मनोरंजन

आकाशवाणी समस्त भाषायी प्रदेशों की जनता के लिए गीत-संगीत, नाटक, गोष्ठियां, वार्ताएं, रूपकों, संस्मरणों आदि मनोरंजक कार्यक्रमों का प्रसारण करता है। इसके अलावा आकाशवाणी की विविध भारती सेवा फिल्मी गीतों को समर्पित होती है। आकाशवाणी पर समस्त कार्यक्रमों का लगभग पचास प्रतिशत समय मनोरंजन परक कार्यक्रमों के लिए होता है।

सूचना, शिक्षा एवं ज्ञान भी

आकाशवाणी पर हर एक घंटे पर मुख्य समाचार प्रसारित किए जाते हैं। इसके अलावा प्रातःकाल और सायंकाल में 15 मिनट की अवधि का समाचार बुलेटिन प्रसारित होता है। यह समाचार बुलेटिन हिंदी और अंग्रेजी भाषा में प्रसारित किया जाता है। बुलेटिन को इस तरह से तैयार किया जाता है कि श्रोता को उसे समझने के लिए किसी भी शब्दकोश का सहारा न लेना पड़े। आकाशवाणी पर श्रोताओं के विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ताएं भी प्रस्तुत की जाती हैं। अनुसंधानों के परिणामों, अभिभाषणों की कार्यवाही को लिपिबद्ध करके प्रस्तुत किया जाता है। इसके अंतर्गत कृषि, विज्ञान संबंधी शिक्षा देना भी शामिल होता है। आकाशवाणी के माध्यम से स्कूल तथा कॉलेज की कक्षाओं के लिए रेडियो द्वारा पाठ्य विषयों पर चर्चाएं भी प्रसारित की जाती हैं।

कायम है प्रासंगिकता

देखा जाए तो आज भी रेडियो और आकाशवाणी जनसंचार का सशक्त माध्यम बना हुआ है। इसने गांव-गांव तक ज्ञान की चेतना को पहुंचाने का अविस्मरणीय कार्य किया है। हालांकि आज संचार के विविध माध्यम, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और हर हाथ में मोबाइल की पहुंच ने रेडियो और आकाशवाणी के अस्तित्व को चुनौती अवश्य दी है, लेकिन इसकी कुछ अनूठी विशेषताओं के कारण आज भी इसकी लोकप्रियता, उपयोगिता एवं प्रासंगिकता बनी हुई है। *

खान-पान

चेतना झा

बारिश का मौसम और पकौड़े का कनेक्शन तो आप जानते ही हैं! लेकिन यहां हम आपको देश के अलग-अलग हिस्सों में खाए जाने वाले कुछ जायकेदार मानसूनी व्यंजनों के बारे में बता रहे हैं, जिनका स्वाद आप कभी भुला नहीं पाएंगे।

जायकेदार मानसूनी व्यंजनों का स्वाद

लाजवाब राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा: राजस्थान की धरती पर बारिश की बूंदें स्वाद की नई बयार भी लेकर आती हैं। बारिश हुई नहीं कि गोठ के प्रोग्राम बनने लगते हैं। गोठ यानी, प्रकृति के करीब या पार्कों में जाकर सामूहिक पिकनिक मनाना। अपनों के साथ खुले सुखद परिवेश में दाल-बाटी चूरमे का रसास्वादन सबसे ज्यादा चलन में है। सावन के महीने में तीज और राखी जैसे पर्व पर यहां की फिजा में घेवर की खुशबू भी घुल-मिल जाती है। घेवर में स्वाद की इतनी विविधता मिलती है कि आप चखते जाएंगे पर इसका अंत नहीं होगा। मेवाड़ क्षेत्र में घूमिए तो

दाल-बाटी-चूरमा

गली-गली से उठती पकौड़े, मालपूए की सुगंध भूख बढ़ा देती है। इसके साथ ही भुट्टे की सब्जी के साथ घी चुपड़ी रोटी का स्वाद कभी नहीं भुला पाएंगे।

यूपी में अंगीठी वाली मीठी रोटी: अब बात यूपी की अंगीठी वाली मीठी रोटी, अरबी के पत्ते के पकौड़े, अगस्त्य के फूल के पकौड़े की। भिगोकर पीसी गई उड़द और चने की दाल को हरी मिर्च, धनिया, अदरक डाल कर भून देते हैं, फिर धो-सुखा कर, अरबी के पत्तों पर इन्हें लपेट कर स्टीम देते हैं। इसके बाद बनती है इनकी पकौड़ी। लंबी प्रक्रिया है लेकिन बरसात आते ही घर-घर में इसे बनाया और चाव से खाया जाता है।

झारखंड में धुसका-बर्रा: 'धुसका बर्रा खाएंगे, झारखंड में बस जाएंगे...' इस गाने की पंक्तियों की तरह ही हिट है झारखंड का धुसका-बर्रा। सच है, बारिश के दिनों में झारखंड की हरी-भरी धरती पर धुसका खाने के बाद किसी का भी दिल यहां बस जाने को करेगा। बराबर की मात्रा में चना दाल और अरवा चावल को भिगोकर उसमें जीरा, मिर्च आदि मसाले मिलाकर पीसा जाता है फिर तुरंत ही तल कर बनाते हैं धुसका। आलू की खट्टी-मीठी सब्जी के साथ इसका लुत्फ उठाया जाता है। इनके अलावा यहां रूगड़ा भी इस मौसम में खूब

अगस्त्य के फूल के पकौड़े

धुसका-बर्रा

चाव से खाया जाता है। इसे 'शाकाहारी मटन' भी कहा जाता है।

एमपी में दाल-बाफला: पश्चिमी मध्य प्रदेश का एक बड़ा हिस्सा है मालवा। यहां बारिश की बूंदें दाल-बाफला का संदेश लेकर आती हैं। बाफला यानी आटे की बाटी को कंडे की आग में पका कर तैयार किए गए सोंधे-सोंधे बड़े। पकाने के बाद इन बड़ों से राख झाड़ कर घी की कटोरी में डुबो देते हैं, फिर खट्टी-मिठ्ठी दाल के साथ इसका स्वाद लिया जाता है। *

बिहार की कचरी-मूरही और लिट्टी-चोखा

बिहार में बारिश होते ही लिट्टी और बैंगन के चोखे के अलावा कचरी-मूरही की तलब जगने लगती है। कचरी यानी लच्छे में कटे प्याज में कटी हरी मिर्च, लहसुन, अदरक, बैंगन, फूलगोभी और मसाले डाल कर बेसन के घोल में लपेट कर तैयार पकौड़े। मूरही यानी पफ्ड राइस या मुरमुरे। बारिश में गरमा-गरम कचरी के साथ मूरही का स्वाद भुलाया नहीं जा सकता है।

लिट्टी के लिए चने के सत्तू में बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया पत्ती, अदरक, लहसुन, नीबू का रस, अजवाइन, कलौंजी, नमक और कुछ बूंदें सरसों के तेल डाल कर मिश्रण तैयार किया जाता है। गूंथे आटे की गोली में यह मिश्रण डाल कर गोइठे या कोयले की आग में पकाया जाता है। फिर इसी आंच पर बैंगन को भून कर चोखा तैयार किया जाता है। इसका स्वाद एक बार अगर जुबान पर चढ़ गया तो यकीन मानिए, इसे बार-बार खाने का जी करेगा।